खबर जो सत्य उगले...

प्रचण्ड समय

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष-5, अंक-131, पृष्ठ-8, मूल्य- 6 रुपए

आरएनआई नंबर- एचपीएचआईएन/2019/79889

संपादक - अश्वनी वर्मा

70180-86211

prachandsamay.com

हिमाचल का सबसे तेज बढ़ता अखबार

सुविचार

एक-एक पल कीमती है, इसे व्यर्थ बर्बाद न करो, जो लोग इस पर ध्यान नहीं देते हैं वे कष्ट भोगते हैं.

'भूल भुलैया 3'... पेज-8

गगरेट ने एक ही बार आजाद प्रत्याशी को पहुंचाया... पेज-6

शिमला, बुधवार, 17 अप्रैल, 2024

प्रचण्ड समय स्कैंडल सीरियल

लेखक अश्वनी वर्मा

अनुराग को लेकर कांग्रेस की चुप्पी के मायने

मुख्यमंत्री सुखिवन्द्र सिंह सुक्खू हो या फिर उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निनहोत्री दोनों के निशान पर पूर्व मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ही हैं। दोनों की अनुराग ठाकुर की चुप्पी के गणित के मायने आमजन निकालने लगे हैं। कहा जा रहा है कि कांग्रेस चाहती है कि अनुराग ठाकुर का रास्ता साफ रहने दिया जाए। उस एवज में राजेन्द्र राणा को हराने के लिए डील की जाए। राणा अनुराग ठाकुर परिवार फुटी आंख नहीं सुहाते। राणा कांग्रेस के बागियों में शामिल हैं। अब भाजपा ने उन्हें उप चुनाव के लिए टिकट भी थमा दिया है। गणित ऐसा है कि अगर महज राणा ही हार जाएं तो प्रदेश में सुक्खू की सत्ता बरकरार रहेगी। जब दोनों पार्टियों में विचार धारा को ग्रहण लग गया है तो कोई डील हो जाए तो कोई बड़ी बात नहीं है। अनुराग पर कांग्रेस के हमलों की धार कुंद होने के मायने तो निकालेंगे ही।

प्रचण्ड होती मुकेश की मुखरता

कांग्रेस ने बागियों के कारण पिछले दो महीने में बड़ा नुकसान पहुंचा है। पर इस सारे प्रकरण में उप मुकेश अग्निहोत्री ही लाभ में रहे हैं। जिस तरह वे सुक्खू सरकार बचाने में आगे आए हैं, उससे कांग्रेस की विचार धारा के प्रति मुकेश अग्निहोत्री की विश्वसनीयता बढ़ी है इसमें कोई संदेह नहीं है। फिर हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के लिए उम्मीदवार के तौर उनका और उनके बेटी का नाम भी चला तो मुकेश गद्गद क्यों न हो।उयही वजह है कि उनकी मुखरता प्रचण्ड हुई है। अब वे गणित समझा रहे हैं कि सुक्खू सरकार को गरने का कहां खतरा है। 62 के सदन में कांग्रेस के पास 34 सदस्य हैं। अगर तीन निर्दलीयों के इस्तीफे स्वीकार हो जाते हैं तो फिर 59 के सदन में कांग्रेस के 34 ही विधायक रहेंगे। जय राम के अंधेरे में सत्ता प्राप्त करने के सपने धरे रह गए हैं। देश में भाजपा की किरकिरी इसलिए हो रही है कि उसका मिशन लौटस हिमाचल में फैल हुआ है। मुकेश के मुखरता की बानगी देखिए कि जय राम को कंगना से कहलवाना पड़ रहा है कि जून में जय राम ठाकुर ही मुख्यमंत्री होंगे। यही नहीं कांग्रेस ने दो उम्मीदवार दिए हैं लोकसभा के उसी से भाजपा के पसीने छूटने लगे हैं। उम्मीदवारों का कद देखकर भाजपा उम्मीदवार बदलने की सोच रही है। मुकेश के सूत्र कौन होंगे,यह तो वहीं जानें लेकिन उनके भाजपा के हमलों की धार पैनी जरूर है।

सीएम सुक्खू बोले- पात्र महिलाओं को जून में मिलेंगे 3000 रुपये, फॉर्म यहां करवाएं जमा

प्रचण्ड समय . शिमला

इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा जून में प्रदेश की पात्र महिलाओं को महिला सम्मान निधि के तहत 3000 एक साथ दिए जाएंगे। पात्र महिलाएं कांग्रेस विधायकों के पास भी फॉर्म जमा करवा सकती हैं।

मंगलवार दोपहर बाद प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन शिमला में प्रेस वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि जून में प्रदेश की पात्र महिलाओं को महिला सम्मान निधि के तहत 3000 एक साथ दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की किसान सम्मान निधि योजना जब चुनाव के दौरान जारी रह सकती है तो प्रदेश की महिला सम्मान निधि बंद करने को कोई प्रश्न ही नहीं है।

'फॉर्म संबंधित विभाग को दें, नहीं तो कांग्रेस विधायक के पास'

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि इस संदर्भ में मंत्री जगत सिंह नेगी की ओर से चुनाव आयोग को अवगत कराया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पात्र महिलाएं योजना का लाभ लेने के लिए अपने फार्म संबंधित विभाग को दे सकती हैं. अगर विभागीय अधिकारी फॉर्म नहीं लेते हैं तो संबंधित क्षेत्र के कांग्रेस विधायकों के पास इन फॉर्म को जमा करवाया जाए। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया समाप्त होते ही महिलाओं को एक साथ सभी माह के पैसे जारी किए जाएंगे।

'कांग्रेस सरकार पूरी तरह स्थिर'

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता बिकाऊ विधायकों को वोट की चोट से सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पैसे के दम पर सत्ता को हथियाना का षड्यंत्र रचा. जिसमें वह फेल हो गए। प्रदेश की कांग्रेस सरकार पूरी तरह से स्थिर है. कांग्रेस पार्टी लोकसभा की चारों सीटों सहित विधानसभा के छह उपचुनाव में जीत दर्ज करेगी।

'पुरानी पेंशन को लेकर बनेगा कानून'

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि हिमाचल सरकार ने पहली कैबिनेट बैठक में पुरानी पेंशन योजना को बहाल किया है। अभी इस योजना को प्रशासनिक मंजूरी दी गई है। चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने के बाद विधानसभा में इस संदर्भ में कानून बनाया जाएगा। कानून के बनने से इस योजना को बंद नहीं किया जा सकेगा।

नीट की कोचिंग ले रही 19 साल की छात्रा ने की आत्महत्या

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल प्रदेश के जिला हमीरपुर के पुलिस थाना भोरंज के तहत 19 वर्षीय छात्रा ने सोमवार को आत्महत्या कर ली। वह नीट की कोचिंग ले रही थी। हालांकि आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। छात्रा की पहचान नूरजहां पुत्री शमशेर अंसारी निवासी सिरसी नया बस्ती, पोस्ट ऑफिस और पुलिस स्टेशन राजमहल जिला साहबगंज झारखंड के रूप में हुई है।

नीट की कोचिंग ले रही थी युवती

छात्रा जाहू कस्बे में किराये के कमरे में रह रही थी और यहां पर पिछले साल से कोचिंग ले रही थी। पिछली साल छात्रा नीट पास नहीं कर पाई थी और एक बार फिर से तैयारी में जुटी हुई थी। रविवार रात अचानक छात्रा ने अपने दुपट्टे से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस ने परिजनों के हवाले किया शव

छात्रा जब सोमवार को कोचिंग संस्थान नहीं पहुंची तो प्रबंधन ने अभिभावकों को सूचना दी। परिजनों ने रिश्तेदारों को किराये के कमरे में लड़की को देखने के लिए भेजा। दरवाजा खोलने पर पाया कि लड़की ने अपने दुपट्टे से फंदा लगा लिया है।

सोमवार दोपहर को पुलिस ने शव को बरामद किया और मेडिकल कॉलेज हमीरपुर में पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया है।

नहीं मिला कोई सुसाइड नोट

बता दें कि मामले में कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

छात्रा के पिता बिझड़ी के कुआं चौक में दर्जी हैं।

पुलिस अधीक्षक हमीरपुर पदमचंद ने कहा कि भोरंज थाना में केस दर्ज किया गया है। पुलिस टीम मामले की छानबीन कर रही है।

चामुंडा से भाखड़ा तक 250 करोड़ से विकसित होगा देवी दर्शन रूट, लोगों को मिलेगा ये फायदा

प्रचण्ड समय . शिमला

शक्तिपीठ श्री नयना देवी जी और पर्यटन स्थल भाखड़ा अब सीधे देवी दर्शन रूट परियोजना से जुड़ेंगे। कांगड़ा में चामुंडा देवी से भाखड़ा तक करीब 70 किलोमीटर के रूट विस्तारीकरण पर करीब 250 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। परियोजना के विस्तारीकरण से जहां कांगड़ा और हमीरपुर के लोगों को श्री नयना देवी जी पहुंचने के लिए वाया ऊना सफर से छुटकारा मिलेगा. वहीं, इन जिलों के किसानों और बागवानों को भी इसका लाभ मिलेगा। चुनाव आचार संहिता से पहले प्रदेश सरकार ने ट्रांस टू में देवी दर्शन रूट को मंजूरी दी थी, अब हिमाचल प्रदेश सड़क एवं अन्य अवसंरचना विकास निगम ने इसकी डीपीआर पर काम शुरू कर दी है। विश्व बैंक के मानकों के अनुरूप डीपीआर बनेगी। विश्व बैंक के सहयोग से ही इसका काम शुरू किया जाएगा। निगम ने कोलां वाला टोबा से श्री नयना देवी जी परियोजना को देवी दर्शन रूट में परिवर्तित कर दिया। अब श्री नयना देवी जी शक्तिपीठ को देवी दर्शन रूट से जोड़ते हुए इसे भाखड़ा तक ले जाने की योजना है। खास बात यह है कि रूट को चामुंडा से बृजेश्वरी देवी, ज्वाला जी, नादौन, धनेटा, बड़सर, शाहतलाई से सीधा बागछाल पुल से जोड़ा जा रहा है। इसे किरतपुर-नेरचौक फोरलेन से भी जोड़ा जाएगा।

लोगों को होगा ये फायदा

परियोजना के बनने से कांगड़ा और हमीरपुर से श्री नयना देवी जी आने वाले लोगों को वाया ऊना होकर नहीं आना पड़ेगा। देवी दर्शन रूट से आसानी से वह श्री नयना देवी और भाखड़ा पहुंच सकेंगे। श्रद्धालुओं के अलावा पर्यटकों, किसानों के लिए भी रूट बेहतर सुविधा देगा। एक तरफ जहां हमीरपुर, कांगड़ा के किसान आसानी से किरतपुर-नेरचौक फोरलेन तक अपने उत्पाद पहुंचा सकेंगे वहीं, भाखड़ा डैम तक जाने वाले पर्यटकों के लिए भी रूट आसान हो जाएगा। अब तक सिंगल रोड से भाखड़ा तक का सफर करते हैं।

हिमाचल प्रदेश सड़क एवं अन्य अवसंरचना विकास निगम के चीफ इंजीनियर पवन शर्मा ने बताया कि कांगड़ा के चामुंडा देवी से श्री नयना देवी जी, भाखड़ा तक के रूट को देवी दर्शन परियोजना से जोड़ने का प्रस्ताव है। प्रदेश सरकार ने इसकी अनुमति दे दी है। विश्व बैंक के सहयोग से परियोजना पर काम शुरू किया जाएगा।

विकास के मामले में मंडी को जलील करने का खामियाजा भुगतेगी कांग्रेस : जयराम

प्रचण्ड समय . मंडी

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर का कहना है कि मंडी जिला को विकास के मामले में जलील करने का खामियाजा कांग्रेस को इन लोकसभा चुनावों में भुगतना होगा। पूर्व की भाजपा सरकार के समय में मंडी जिला में जो भी विकास के काम शुरू किए थे उन्हें मौजूदा सरकार ने पूरी तरह से बंद करके रखा है। ऐसे में अब कांग्रेसी किस मुंह से लोगों के बीच जाकर वोट मांगेंगे। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू को प्रतिशोध की भावना से काम करने की सज़ा जनता अवश्य देगी। यह बात उन्होंने मंडी में पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कही। इससे पहले जयराम ठाकुर हृदयवासी मंदिर में जारी श्रीमद् भागवत कथा में शरीक हुए और कथा का श्रवण किया।

जयराम ठाकुर ने कहा कि उनकी सरकार द्वारा मंडी को दी गई यूनिवर्सिटी को आज बंद करने का प्रयास किया जा रहा है। शिवधाम का काम पूरी तरह से रोक दिया गया है। बल्ह में प्रस्तावित एयरपोर्ट की सारी क्लीयरेंस होने के बाद भी इस काम को आगे नहीं बढ़ाया गया। मंडी महाविद्यालय के भवन के काम को भी पूरी तरह से बंद रखा गया है। इन सब बातों को लेकर मंडी की जनता में कांग्रेस सरकार के खिलाफ आक्रोश है और यह आक्रोश मतदान के रूप में देखने को मिलेगा जिसका खामियाजा कांग्रेस को भुगतना पड़ेगा। पूर्व सीएम एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने जो संकल्प पत्र जारी किया है उसमें देश का विजन नजर आता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकल्प पत्र में वन नेशन वन इलेक्शन की बात कही है। जब पूरे देश में एक बार चुनाव होंगे तो इससे देश का लाखों करोड़ का खर्च भी बचेगा और बार-बार चुनावों के झंझट से निजात भी मिलेगी। देश में चुनी हुई सरकारें पांच वर्षों तक सिर्फ और सिर्फ विकास पर ही फोकस करेंगी लेकिन भाजपा का यह विजन कभी भी कांग्रेस को रास नहीं आएगा। उन्होंने बेहतरीन संकल्प पत्र के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय नेतृत्व को बधाई दी। उन्होंने कहा कि गरीब कल्याण योजना के तहत देश के 80 करोड़ लोगों को अगले पांच वर्ष तक मुफ़्त राशन, महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण, आयुष्मान भारत योजना में 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों का मुफ़्त इलाज जैसे संकल्प ही भाजपा को इस चुनाव में 400 सीटें पार करवाकर तीसरी बार फिर से नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने का आधार होगा।

हृदयवासिनी मंदिर में भागवत कथा सुनने पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री एवम नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर

नवरात्रों के दौरान मंडी के पडल स्थित हृदयवासिनी मंदिर में चल रही श्री मद भागवत कथा श्रवण करने पूर्व मुख्यमंत्री एवम नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर भी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने यहां देवी भगवती की पूजा कर भागवत कथा में भाग लिया। जहां विश्व विख्यात कथावाचक श्रीकृष्ण चंद्र शास्त्री के मुखारविंद से भक्ति गंगा का हजारों लोग रसपान कर रहे हैं। संयोजक रमन विष्ट ने उनका यहां पहुंचने पर स्वागत किया। कथा श्रवण के बाद जयराम ठाकुर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि श्रीकृष्ण चंद्र शास्त्री ठाकुर जी के नाम से प्रसिद्ध कथावाचक के रूप में जाने जाते हैं। वैसे तो अध्यात्मिक जगत से जुड़े बहुत से कथावाचक हैं, लेकिन मेरा मानना है कि कृष्ण चंद्र ठाकुर जी बहुत ही अद्भुत तरीके से कथा सुनाते हैं। जब ये भागवत कथा सुनाते हैं तो ऐसा प्रतीत होता है कि, इनकी वाणी में साक्षात सरस्वती जी का वास है। भारत में सबसे पहले इन्होंने 1975 में पंद्रह वर्ष की आयु में भागवत कथा सुनाई थी। मुझे बताया गया कि कृष्ण चंद्र ठाकुर जी के संत्संग में कथा सुनने के लिए हजारों भक्तों की भीड़ जुट रही है। नवरात्रों के पावन अवसर पर ऐसे आयोजन हमें देवी शक्तियों का साक्षात् आशीर्वाद प्रदान करते हैं। इस मौके पर उनके साथ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पायल वैद्य, जिलाध्यक्ष निहाल चंद शर्मा, भाजपा मंडलाध्यक्ष मनीष कपूर, जिला महामंत्री संजय ठाकुर और सोमेश उपाध्याय,जिला मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र ठाकुर, प्रवक्ता प्रताप ठाकुर, जिला मीडिया प्रभारी राकेश वालिया और जिला भाजयुमो अध्यक्ष योगेश भी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ..

बारिश और बर्फबारी को लेकर अलर्ट, अंधड़ और ओलावृष्टि का पूर्वानुमान

शिमला . हिमाचल प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट के बीच सोमवार को रोहतांग सहित कई ऊंची चोटियों पर बर्फबारी हुई। वहीं, राजधानी शिमला समेत अन्य जिलों में हल्की बारिश हुई। मंगलवार को चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, बिलासपुर, ऊना, हमीरपुर, मंडी और शिमला में बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, 18, 19, 20 और 21 के लिए भी येलो अलर्ट जारी है।

तेज आंधी चलने की संभावना

इस दौरान प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अंधड़ के साथ बिजली कड़कने का पूर्वानुमान है। ओलावृष्टि भी हो सकती है। 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की दर से तेज आंधी चलने की संभावना है।

केलांग रहा सबसे ठंडा, पांवटा साहिब सबसे गर्म

केलांग में न्यूनतम तापमान 2.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पांवटा साहिब में अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रहा। सोमवार को भरमौर-पांगी की ऊपरी चोटियों में 5.08 सेंटीमीटर बर्फबारी हुई, जबकि 13,050 फीट ऊंचे रोहतांग दर्रा सहित लाहौल और मनाली की ऊंची चोटियों पर भी बर्फबारी हुई। सोमवार को मनाली से काफी संख्या में पर्यटक अटल टनल रोहतांग होकर नॉर्थ पोर्टल और सिस्सू पहुंचे और बर्फ में मस्ती की।

मेले हमारी समृद्ध संस्कृति एवं परम्परा के प्रतीक - उपायुक्त

सोलन . उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने गत दिवस ज़िला सोलन के धर्मपुर में मनसा देवी की पूजा-अर्चना कर तीन दिवसीय ज़िला स्तरीय माता मनसा देवी मेले का विधिवत शुभारम्भ किया।

मनमोहन शर्मा ने समस्त क्षेत्रवासियों को माता मनसा देवी मेले की बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में आयोजित होने वाले मेले हमारी समृद्ध संस्कृति एवं परम्परा के प्रतीक हैं।

उन्होंने कहा कि माता मनसा देवी का यह मेला सभी की आस्था का भी प्रमुख केंद्र है। उन्होंने कहा कि ऐसे मेलों के माध्यम से न केवल आपसी भाईचारे की भावना को बल मिलता है, बल्कि हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में भी यह अहम भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के मेले एवं त्यौहार अपने में अनूठे होते हैं और यह राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोए हुए हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में वर्ष भर उत्सव एवं त्यौहार पूरे उत्साह के साथ मनाए जाते हैं। मेले और त्यौहार लोगों में नव उर्जा का संचार करते हैं और हमें इनमें सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए।

उपायुक्त ने कहा कि यह मेला जहां बाहरी राज्यों से आए पर्यटकों को हिमाचल की विशिष्ट देव संस्कृति से रूबरू करवाता है, वहीं प्रदेश की आर्थिकी को भी संबल प्रदान करने में सहायक है।

इस अवसर पर माता मनसा देवी मंदिर में उपायुक्त द्वारा जागरण का भी शुभारम्भ किया गया।

इससे पहले उपमंडलाधिकारी (ना.) कसौली एवं अध्यक्ष माता मनसा देवी मेला आयोजन समिति नारायण सिंह चौहान ने मुख्यातिथि का स्वागत किया तथा समस्त क्षेत्रवासियों को माता मनसा देवी मेले की बधाई दी।

उन्होंने कहा कि मेले में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर मेला समिति के सदस्य तथा भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का सम्मेलन

बेबाक़ शर्मा रघुनाथ . जसूर

जुमला प्रधानमंत्री के नाम से विश्व विख्यात मोदी जी द्वारा 2014 से लेकर पिछले 10 सालों में आमजनमानस की घोषित की गयी कोई भी गारंटी पूरी नहीं हुई, बो चाहे दो करोड़ युवाओं को नौकरियाँ देने की हों, 15-15 लाख आमजनों के खातों में आने को लेकर हों, यॉं किसानों की आये डबल करने की हो यॉं फिर आम व गरीब परिवारों के अच्छे दिन आने आदि अनेक गारंटीया दी थी, लेकिन धरातल पर कोई गारंटी आज तक केंद्र की सरकार पूरी नहीं कर पाई। इसके विपरीत प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने डेढ़ साल में दस में से पांच गारंटी लागू कर दी हैं यह सब बातें प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष व कांगड़ा-चम्बा संसदीय क्षेत्र के प्रभारी निगम भंडारी ने आज काथल (जसूर) में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खचाखच भरे पंडाल को संबोधित करते हुए कहीं।

निगम भंडारी ने भाजपा पर ताबड़तोड़ हमले बोलते हुए कहा की भाजपा प्रदेश के नेता लोग जगह जगह बोल रहे है कि मोदी की लहर है। तो प्रदेश व देश के बड़बोले नेता जनता को यह भी बताएं कि कांगड़ा- चम्बा से पिछली बार पांच लाख से ज्यादा वोटों से जीते सांसद का टिकट इस बार क्यों काट दिया। क्यों कॉंग्रेस के ठुकराए हुए व पार्टी से बागी कांग्रेसी लोगों को भाजपा टिकट से नवाज रही है और अपने कर्मठ कार्यकर्ताओं को नीचा दिखा रही है। लोगों से किये वादे निभाने की बजाय देश में लूट खसूट मचाई हुई है। इलेक्ट्रॉन बांड के नाम पर आठ हजार करोड़ का बसूली चंदा डरा धमकाकर लिया गया जो विश्व का बहुत बड़ा घोटाला है। भंडारी ने आगे कहा विपक्ष व कांग्रेस के खातों को ED और इंकॉमेटैक्स का दुरपयोग कर सीज़ करवा दिया गया ताकि विपक्ष चुनाव ही न लड़ पाए। निगम भंडारी ने कहा कि मोदी सरकार ने अपने चंद गुजराती मित्रों को मालामाल कर गरीब जनता का खून चूसा है। ईडी सीबीआई, इंकम टेक्स के माध्यम से विपक्षी नेताओं को प्रताडित किया जा रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सचेत करते हुए कहा कि लोगों को घर घर जाकर बताओ कि यदि इस बार भी य़ह जुमलेबाज़ लोग जीत गये तो यह संविधान को बदल डालेंगे। कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि इस तानाशाह हो चुकी सरकार की नीतियों का घर घर जाकर प्रचार करें क्योंकि न तो इसकी कोई सही नियत है न ही सही नीति।

हिमाचल में राजनीतिक इससे पहले कार्यकर्ताओं जिला कांग्रेस अध्यक्ष कर्ण पठानिया ने संबोधित करते हुए कहा कि..पिछली कांग्रेस सरकारों ने ओपीएस प्रदान की जबकि भाजपा ने ops को बंद किया प्रदेश की महिलाओं को 1500 रुपये देने के वादे को कांग्रेस ने निभाया लेकिन भाजपा इसे रोकने के लिए चुनाव आयोग के पास जा पहुंची। कर्ण पठानियाँ ने कहा कि भाजपा नेताओं द्वारा फ़र्जी राष्ट्रवाद और धर्म के नाम पर देश की जनता मुर्ख बनाया जा रहा है और लोकतंत्र को कुचलने की कोशिश की जा रही है पूर्व विधायक अजय महाजन ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता के मुद्दों पर चुनाव लड़ेगी।

प्रदेश की ठाकुर सुखविंदर सिंह सुख्खू के कुशल नेतृत्व में कांग्रेस सरकार ने प्रदेश में ऐसी भीषण बाढ़ व भूस्खलन आपदा के बावजूद 15 माह में दस में से पांच गारंटी पूरी की है। आपदा पीड़ितों की भरपूर मदद की लेकिन भाजपा नेता और उसके सांसद ग़ायब रहे। प्रदेश में अव्यवस्था फैलाने के लिए भाजपा पूरी तरह जिम्मेदार है। प्रदेश की पिछली भाजपा सरकार ने हर घर से एक व्यक्ति को नौकरी देने की बात कही थी लेकिन कुछ नहीं हुआ इसके विपरित पेपर लीक घोटाले करके युवाओं से खिलवाड़ किए गए।

इस मौके पर प्रदेश युवा अध्यक्ष निगम भंडारी के साथ अन्य गणमान्य नेता प्रदेश प्रवक्ता, सुदर्शन शर्मा, पूर्व जिला कांगड़ा कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व विधायक अजय महाजन, कर्ण सिंह पठानियाँ "मालटू" बर्तमान जिला कांग्रेस अध्यक्ष, योगेश महाजन "सुंदरी" निदेशक बन विभाग, अम्बर महाजन निदेशक टूरिज़्म विभाग ब सोशल मीडिया प्रभारी, विक्रम पठानियाँ शुन्रा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पंचायत प्रधान संगठन,

प्रदेश सेवादल उपाध्यक्ष कौंडल जी, निक्का राम पूर्व म्युनिसिपल अध्यक्ष नूरपुर, पवन शर्मा "रोंढा" MC, गौरव महाजन "रिप्पू" MC नूरपुर मौजूद थे,

डायरिया की रोकथाम के लिए उठाए जा रहे प्रभावी कदम-उपायुक्त

प्रचण्ड समय . सोलन

उपायक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि ज़िला में जल जनित रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। जिला के कुछेक क्षेत्रों में डायरिया के मामले सामने आने पर इसकी रोकथाम के दृष्टिगत सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए हैं। आज मंगलवार को प्रभावित क्षेत्रों में क्लोरिनेशन का कार्य जारी रहा और डायरिया के मामलों में भी कमी देखी गई है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र परवाणु में डायरिया की रोकथाम के लिए अधिशाषी अभियंता हिमुडा को जल संसाधनों का क्लोरीनीकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष तौर पर जिन पेयजल भंडारण व स्त्रोतों के माध्यम से परवाणु और इसके आस-पास के क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति की जाती है, वहां विभागीय दलों द्वारा क्लोरिनेशन का कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को डायरिया के दैनिक मामलों के सम्बन्ध में अपडेट करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने विभाग को प्रभावित क्षेत्रों में ओ.आर.एस. पैकेट वितरित करने और आशा कार्यकर्ताओं की मदद से लोगों में जागरूकता फैलाने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि डायरिया की रोकथाम के लिए नगर परिषद परवाणु, कालका व अन्य निकटवर्ती स्थानों के माध्यम से परवाणु में पानी की आपूर्ति के लिए किराए पर लिए गए पानी के टैंकरों के पंजीकरण की भी जांच करवाई जा रही है।

उपायुक्त ने कहा कि प्रभावित पंचायतों के सचिवों के सहयोग से डायरिया के बारे में लोगों के बीच जागरूकता फैलाने और डायरिया को फैलने से रोकने के लिए लोगों को अपने घरों में स्वच्छता और साफ-सफाई के लिए प्रोत्साहित करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने परवाणु में वर्तमान में पंजीकृत और कार्यरत सभी क्लबों और सोसायटियों के अध्यक्षों से भी डायरिया की रोकथाम के लिए लोगों में जागरूकता फैलाने का आग्रह किया।

उपायुक्त ने कहा कि सहायक आयुक्त परवाणु तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोलन को परवाणु व आस-पास के क्षेत्रों में डायरिया से बचाव के लिए उचित दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोलन डॉ. राजन उप्पल ने बताया कि डायरिया से बचाव के लिए सभी एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वह पानी उबाल कर पीएं, शौच जाने के बाद हाथ अच्छे से धोएं, दस्त लगने पर ओ.आर.एस का घोल पीएं, दस्त व उल्टियां लगने पर अस्पताल में जांच करवा लें, साफ और ढका हुआ खाना ही खाएं तथा जंक फूड से परहेज करें।

सहायक आयुक्त परवाणु महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि डायरिया की रोकथाम व लोगों को जागरूक करने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

हमारी सरकार मजबूत, खुद संशय में कांग्रेस : बिंदल

प्रचण्ड समय . शिमला

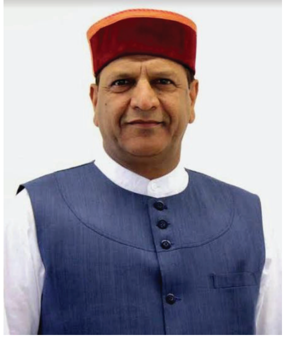

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की आज की प्रेस कॉन्फ्रेन्स जैसे खोदा पहाड़ निकली चुहिया जैसी है। कांग्रेस पार्टी के उप मुख्यमंत्री कहते है कि हमारी सरकार मजबूत है। इस बात पर बिंदल ने कहा कि जब सरकार मजबूत है तो बार-बार बोलने की क्या जरूरत है। कांग्रेस के उप मुख्यमंत्री कहते है कि हमने 10 में से एक गारंटी पूरी कर दी। यह स्वयमेव इस बात की स्वीकृति है कि कांग्रेस पार्टी ने 2022 के चुनाव के दौरान हमाचल प्रदेश के बेरोजगार युवकों को ठगा। 1 लाख नौकरियां पहली कैबिनेट में देने का वायदा किया और उसके बाद नौकरियां देने वाला संस्थान बंद कर दिया। 22 लाख बहनों को 1500 रूपया पहली कैबिनेट में देने का वायदा किया। उन्होंने कहा कि 22 लाख बहनों का कर्ज इस सरकार पर चढ़ गया हैं। कांग्रेस सरकार द्वारा चुनाव के समय गारंटीयों की घोषणा करना, परन्तु आज जनता को 100 रूपये लीटर दूध का इंतजार है, 2 रूपये किलो गोबर का इंतजार, 300 यूनिट बिजली के फ्री होने का इंतजार है। यह हिमाचल प्रदेश की जनता के जले के ऊपर जख्म छिड़कने के बराबर है। इसके बावजुद भी कांग्रेस सरकार द्वारा अपनी उपलब्धियां ही गिनाती रहती हैं। एक भी ऐसी उपलब्धि नहीं गिना पाए जो सच में हिमाचल प्रदेश के जनहित की और इनके घोषणा पत्र के हिस्से की हो। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी ने जब सब कुछ बखेर दिया। उसके बाद इकट्ठा करने चल रहे हैं। हिमाचल की जनता को पता है की देश में नरेंद्र भाई मोदी की सरकार बन रही है, इसलिए हिमाचल की जनता मोदी जी के साथ का सांसद यहाँ से भेजेंगी। हिमाचल की जनता दूसरी पार्टी का सांसद भेजकरके अपने हिमाचल का नुकसान करने वाली जनता नहीं है। कांग्रेस पार्टी ने अपनी सरकार के लिए खुद ऐसी स्थिति खड़ी कर दी कि दो-दो विधायकों को चुनाव के मैदान में उतारा है। कांग्रेस पार्टी ने अपने विधायकों को हराने के लिए उतारा है या जीताने के लिए उतारा है, ये इस वर्तमान प्रदेश की सरकार को खुद ही स्पष्ट नहीं हो रहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार वास्तव में अपने प्रत्याशियों को जिताना भी नहीं चाहते हैं क्योंकि उनको जिताएंगे तो 34 में से 32 हो जाएंगे। एक बात का भी जवाब ये इतनी बड़ी प्रेस कॉन्फ्रेंस के अंदर ना मुख्यमंत्री, ना उप-मुख्यमंत्री और ना प्रदेश अध्यक्ष दे पाई। यह केवल और केवल अपनी खीज मिटाने का काम करने में जुटे हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ..

दुर्गाष्टमी के अवसर पर राजभवन में फलाहार ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज प्रदेशवासियों को दुर्गा अष्टमी की शुभकामनाएं दी और राज्य की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। अपने शुभ कामना संदेश में उन्होंने कहा कि यह त्योहार हम सभी को सत्य के पथ पर चलने और बुराइयों पर विजय प्राप्त करने का संदेश देता है।

इस पावन अवसर पर राजभवन में फलाहार ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इससे पहले, राज्यपाल और लेडी गवर्नर जानकी शुक्ल ने सुबह शिमला के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल काली बाड़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की और भक्तों को प्रसाद भी वितरित किया।

हिसार सीट पर नैना चौटाला का काका ससुर रणजीत चौटाला से होगा मुकाबला

प्रचण्ड समय

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . हरियाणा में भाजपा की ओर से समर्थन छोड़कर सत्ता से बाहर किए जाने के बाद जेजेपी ने अपने बूते लोकसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है और मंगलवार को प्रदेश की दस लोकसभा सीटो में से पांच के लिए प्रत्याशी घोषित कर दिए।इनमे हिसार लोकसभा सीट से पार्टी की विधायक और पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की मां नैना चौटाला को प्रत्याशी घोषित किया है।इस तरह हिसार लोकसभा सीट का चुनाव रोचक हो गया है।हिसार से नैना चौटाला के काका ससुर रणजीत चौटाला पहले ही भाजपा के टिकट पर मैदान में है।चौटाला परिवार की बहू सुनैना चौटाला भी इनेलो के टिकट पर इस सीट से प्रत्याशी है।

हिसार सीट से दुष्यंत चौटाला भी 2014में लोकसभा के लिए चुने गए थे।नैना चौटाला बाढ़डा से जेजेपी विधायक है।इससे पहले डबवाली से विधायक रह चुकी है।नैना चौटाला ने हरी चुनरी चौपाल कार्यक्रम के जरिए समूचे हरियाणा में महिलाओं को जागरूक किया है।उन्होंने हरियाणा में पंचायतराज संस्थाओं में महिलाओं को 50फीसदी और राशन डिपो आवंटन में 33फीसदी आरक्षण दिलाने में सफलता हासिल की।

सिरसा लोकसभा सीट से जेजेपी ने रमेश खटक को प्रत्याशी घोषित किया है।खटक साल 1991, 1996 और 2000 में बरोदा से विधायक रहे हैं। जेजेपी के वरिष्ठ नेता एवं अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष हैं। पार्टी ने भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा सीट से राव बहादुर सिंह को प्रत्याशी घोषित किया है

राव बहादुर सिंह जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला की जन आक्रोश यात्रा के दौरान के पुराने साथी हैं। वे 2009 में नांगल चौधरी से विधायक रहे हैं। साल 2014 में राव बहादुर सिंह भिवानी-महेन्द्रगढ़ लोकसभा सीट से चुनाव लड़कर दूसरे नंबर रहे।

गुरुग्राम सीट से राहुल यादव फाजिलपुरिया को प्रत्याशी घोषित किया गया है।फाजिलपुरिया बॉलीवुड के स्टार सिंगर हैं। राहुल गुरूग्राम के एक छोटे-से गांव फाजिलपुर झाड़सा से निकल कर बड़े पर्दे पर छाए है। वे निरंतर जेजेपी में सक्रिय राजनीति कर रहे हैं।

फरीदाबाद सीट से नलिन हुड्डा को प्रत्याशी घोषित किया है।

भुवनेश्वरी महामाया पांगणा के चरणो के पूजन-अर्चन कर मन्नौतिया समर्पित की श्रद्धालुओ ने

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल प्रदेश की स्थापना मे महत्वपूर्ण योगदान करने मे अग्रणी ऐतिहासिक नगरी पांगणा 765 ईश्वी मे-सुकेत रियासत की पहली स्थायी राजधानी बनी।पाण्डव कालीन इस "पाण्डवाङ्ण" नगरी का सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व है।सुकेत अधिष्ठात्री राज-राजेश्वरी महामाया भुवनेश्वरी के छः मञ्जिला स्मारक दुर्ग/मंदिर की हिमाचल प्रदेश के मंदिरो मे अपनी अलग शान और पहचान है।यह दुर्ग/मंदिर 825 फुट के घेरे मे 20 से 60 फुट ऊंची प्राचीरे खड़ी कर बनाए अजय किले पर बने राजा के बेहड़े का ही एक भाग था।लगभग 1259 वर्ष पुराना यह कलात्मक दुर्ग/मंदिर आज महाराष्ट्र के आर्किटेक्चर शोद्धार्थियो,विद्यार्थियो, इतिहासकारो,साहित्यकारो,पर्यटको, पत्रकारो,कला पारखियो व पर्यटको के लिए आकर्षण का केन्द्र बना है।स्थापत्य कला के इस अनूठे मंदिर की छठी मञ्जिल मे अनन्त विभूतिमयी महामाया पांगणा की स्थापना तथा भूतल भाग के दाये कक्ष मे राजकुमारी चन्द्रावती की "हत्यादेवी" के रूप मे तथा राधा कृष्ण और शालिग्राम की पूजा होती है।मनमोहक हरी भरी शिकारीदेवी की पर्वत श्रृंखला से घिरे पांगणा की पावन धरा का कण-कण देवमय है।सुकेत अधिष्ठात्री राज-राजेश्वरी महामाया पाँगणा के पूजन-अर्चन के लिए यूँ तो साल भर श्रद्धालुओ का आना-जाना लगा रहता है लेकिन चैत्र और शीतकालीन नवरात्र मे आदि शक्तिमयी,व्रम्हाण्डमयी,व्रम्हाण्ड प्राणमय महामाया भुवनेश्वरी के चरणो के पूजन-अर्चन और मन्नौतिया समर्पित करने वाले श्रद्धालुओ की संख्या अधिक रहती है। सुकेत संस्कृति साहित्य और जन-कल्याण पागणा के अध्यक्ष डॉक्टर हिमेंद्र बाली "हिम" का कहना है कि भक्तो को अभय और सब सिद्धिया प्रदान करने वाली भुवनेश्वरी महामाया पांगणा की व्युत्पति दुर्ग / मंदिर की पश्चिम दिशा मे स्थित "ठाहरु" की चोटी पर हुई है।महामाया भुवनेश्वरी की चहुंदिशा रक्षा हेतु पश्चिम मे ठाहरु चोटी पर 23 नागिनो की स्थापना,पूर्व मे त्याग बलिदान की प्रतिक पीरसलूई का वास,उत्तर मे शिकारी देवी मे 64 योगिनियो की स्थापना,दक्षिण दिशा मे श्मशान वासिनी महाकाली की स्थली,राजभवन मे ज्योतिलीन चन्द्रवती का अखण्ड राज तथा 60 सीढ़ियो(60 सोआण) की रक्षा का भार 18 बाण देवता के अधीन और मुख्य द्वार की रक्षा "दरवाणिया" देव के अधिकार मे है। पुरातत्व चेतना संघ मंडी द्वारा स्वर्गीय चंद्रमणी कश्यप राज्य पुरातत्व चेतना सम्मान से सम्मानित संस्कृति मर्मज्ञ डॉक्टर जगदीश शर्मा का कहना है कि 765 ईश्वी से लेकर बीसवी शताब्दी के तीन दशको तक महामाया पागणा का यह दिव्य सिहासन पांगणा के दुर्ग/मंदिर मे शोभायणान होकर अपनी दिव्यता से क्षेत्र को आलोकित करता रहा तथा इस समयावधि मे पूर्व शास्त्र सम्मत विधानानुसार महामाया की पूजा अर्चना होती रही।परन्तु 20वी सदी के तीसरे दशक मे सुकेत केअन्तिम शासक राजा लक्ष्मण सेन ने वंशवृद्धि की मनोकामना के फलितार्थ चिर प्रतिष्ठित देवी सिंहासन (ईश दंपति) को अपने नव स्थापित राजधानी सुन्दरनगर ले गए। इस प्रकार पांगणा के लोक समूह की अपनी माता से जुड़े लोक प्रगाढ़ भावनात्मक संबंध को गहरा आघात पहुंचा।सदियो से पांगणा मे पूज्य महामाया भुवनेश्वरी का यह अलौकिक श्रीविग्रह वर्तमान समय लगभग 1934 से राजभवन सुंदरनगर मे विराजमान है।पूजा एवं पूर्व शासक हरिसेन जी के बीच 1988 से 1992 तक महामाया के इस सिहासन को इसके मूल स्थान दुर्ग/मंदिर पांगणा मे स्थापित करने हेतु पत्र व्यवहार भी हुआ लेकिन कोई उन्नति नही हुई।आज वास्तव मे स्थिति यह है कि पांगणा के भक्तो ने यहा नई देवी मूर्तियो का निर्माण कर अपनी मातृ श्रद्धा का परिचय दिया है।मां की पूजा अर्चना व समारोहों मर्यादा का वहन पूर्वतः किया जाता है।

उपायुक्त ने बीडीओ टूटू अनमोल को यूपीएससी परीक्षा पास करने पर दी बधाई

प्रचण्ड समय . शिमला

उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने खंड विकास अधिकारी टूटू अनमोल को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उनका यूपीएससी रैंक 438 है। 30 वर्षीय अनमोल ने हिमाचल प्रशासनिक सेवा की परीक्षा में भी टॉप किया था।

अनमोल ने आज यहाँ उपायुक्त कार्यालय में उपायुक्त से शिष्टाचार भेंट की।

उपायुक्त ने अनमोल को एक बेहतर प्रशासनिक अधिकारी की तरह कार्य करते हुए लोगों की सेवा करने के लिए कहा।

अनमोल ने बताया कि उपायुक्त अनुपम कश्यप उनके प्रेरणास्त्रोत हैं और अनमोल के पिता सेवानिवृत एचएएस अधिकारी श्री कृष्ण चंद ने भी अनुपम कश्यप के साथ कार्य किया है। उन्होंने बताया कि उनकी माता श्रीमती ऊषा देवी बल्द्वाड़ा जिला परिषद वार्ड से जिला परिषद सदस्य हैं। अनमोल का एक छोटा भाई भी है जोकि प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा है।

अनमोल ने बताया कि वह सरकाघाट उपमंडल की ग्राम पंचायत पौंटा के चुक्कू टांडा ने निवासी हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा केंद्रीय विद्यालय में हुई है। इसके बाद एनआईटी हमीरपुर से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और एमटैक आईआईटी दिल्ली से की। अनमोल वर्तमान में शिमला जिला के विकास खंड टुटू में बीडीओ हैं।

अनमोल ने बताया कि वह अपने पिता को देखकर ही प्रशासनिक सेवा में आना चाहते थे और उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता को दिया।

पात्र वरिष्ठ एवं दिव्यांग मतदाताओं को घर से मतदान की सुविधा प्रदान करने पर जागरूक किए बूथ स्तर अधिकारी

प्रचण्ड समय . सोलन

सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं उपमण्डलाधिकारी (ना.) डॉ. पूनम बंसल ने आज यहां उपायुक्त कार्यालय भवन में बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) तथा बूथ स्तर अधिकारी पर्यवेक्षक के साथ 12डी फार्म के बारे में आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पात्र वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांग मतदाताओं को घर से मतदान की सुविधा बारे विस्तार से चर्चा की गई। डॉ. पूनम बंसल ने कहा कि बीएलओ अपने-अपने क्षेत्र के 85 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के तथा दिव्यांग (40 प्रतिशत से अधिक) मतदाताओं की जानकारी एकत्रित करें, ताकि ऐसे मतदाताओं को पोस्टल बैलेट की सुविधा उपलब्ध करवाई जा सके। उन्होंने कहा कि बीएलओ फार्म 12डी के माध्यम से उक्त मतदाताओं को उनके घर पर मतदान की सुविधा उपलब्ध करवा सकते हैं। सहायक रिटर्निंग अधिकारी ने कहा कि जिन मतदाताओं की आयु 85 वर्ष से कम है, लेकिन बूथ पर जाकर मतदान नहीं कर सकते, उनके लिए बूथ पर स्वयंसेवक तथा व्हीलचेयर का प्रबन्ध किया गया है।

पाठकों की मांग पर जल्द ही देहरादून में पढ़ने को मिलेगा आपका अपना अखबार प्रचण्ड समय

थोड़े समय में ही पाठकों के दिल में बनाई जगह

आपके विश्वास और सहयोग से ही हम यहां तक पहुंच पाए

प्रचण्ड समय

को अखबार के लिए प्रशिक्षु पत्रकारों

और पोर्टल के लिए प्रशिक्षु रिपोर्टरों की शिमला में जरूरत है।

संपर्क करें-70180-86211

ईरान ने मध्य पूर्व में इतने सारे मोर्चे क्यों खोल रखे हैं?

ईरान के इसराइल पर हमले के बाद मध्य-पूर्व में उसकी भूमिका पर दुनिया का ध्यान गया है।

तेहरान ने 13 अप्रैल को 300 ड्रोन और कई मिसाइलें इसराइल पर दागी थीं। उसका कहना था कि ये दमिश्क में उसके कॉन्सुलेट (वाणिज्य दूतावास) पर हुए हवाई हमले का जवाब है।

इसराइल के सहयोगियों ने उससे गुज़ारिश की है कि वो ईरान के साथ संघर्ष को आगे न बढ़ाए। सात अक्तूबर को इसराइल पर हुए हमले के बाद से ही ईरान और उसके सहयोगी मध्य-पूर्व में तनाव बढ़ाने का काम कर रहे हैं।

ईरान हमास का समर्थन करता है। लेकिन वो मध्य-पूर्व में हाल के दिनों में किसी भी प्रकार के सीधे हस्तक्षेप से इनकार करता है।

हालांकि लेबनान के भीतर से इसराइल पर मिसाइलें दागने, जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डों पर ड्रोन हमले और लाल सागर में पश्चिमी देशों के समुद्री जहाज़ों को निशाने बनाने के आरोप अप्रत्यक्ष रूप से ईरान पर लगते रहे हैं। क्योंकि इन हमलों के लिए ईरान समर्थित गुटों को ज़िम्मेदार ठहराया गया है। ये गुट कौन से हैं और ईरान के तार इनसे किस तरह जुड़े हुए हैं।

ईरान समर्थित हथियारबंद गुट

मध्य-पूर्व में कई हथियारबंद गुट हैं जिनके तार ईरान से जुड़ते हैं। इनमें ग़ज़ा में हमास, लेबनान में हिज़बुल्लाह, यमन में हूती विद्रोही शामिल हैं। इसके अलावा ईरान सीरिया, इराक़ और बहरीन में भी कई गुटों का समर्थन करता है।

इसे प्रतिरोध की धुरी (एक्सिस ऑफ़ रेज़िस्टेंस) कहा जाता है। इनमें कई गुटों को पश्चिमी देशों में 'आतंकवादी समूह' करार दिया गया है।

'क्राइसिस ग्रुप' नामक थिंक टैंक में ईरान के मामलों के एक्सपर्ट अली वाएज़ के अनुसार इन गुटों का उद्देश्य 'मध्य पूर्व को अमेरिकी और इसराइली ख़तरों से सुरक्षित रखना है।'

अली वाएज़ कहते हैं, "ईरान को सबसे बड़ा ख़तरा अमेरिका से है और उसके बाद नंबर आता है इसराइल का। ईरान उसे मध्य-पूर्व में अमेरिका के प्रॉक्सी के रूप में देखता है। ईरान ने इसलिए क्षेत्र में एक ऐसा नेटवर्क बनाया है जिसके ज़रिए वो अपनी ताक़त को प्रोजेक्ट करता है।"

ईरान को कोई युद्ध लड़े 30 बरस हो गए हैं और अक्सर अपने प्रॉक्सी के ज़रिए किए गए हमलों में खुद के शामिल होने से इनकार करता रहा है।

ग़ज़ा युद्ध के बाद बढ़ते हमले

लेकिन तेहरान ने 45 वर्ष पहले हुई इस्लामी क्रांति के बाद से ही इन मिलिटेंट गुटों का साथ दिया है। 1980 के दशक से ही ये गुट ईरान की नेशनल सिक्योरिटी की रणनीति का अभिन्न अंग रहे हैं।

ईरान के सहयोगी गुटों ने ग़ज़ा में जारी सैन्य संघर्ष के दौरान इसराइल को निशाना बनाया है। हिज़बुल्लाह ने लेबनान पर रॉकेट दागे हैं तो यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में मालवाहक जहाज़ों को निशाना बनाया है।

इनमें प्रमुख घटना 28 जनवरी को घटी थी जब एक अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हुए हमले में तीन अमेरिकी नागरिक मारे गए थे। इसकी ज़िम्मेदारी 'इस्लामिक रेज़िस्टेंस इन इराक़' नामक संगठन ने ली थी।

ईरान ने इस हमले में शामिल होने के आरोपों का खंडन किया था।

इस हमले के जवाब में अमेरिका ने ईरान की क़ुदस फ़ोर्स और उससे जुड़े इराक़ और सीरिया के मिलिटेंटों को निशाना बनाया था।

इसके बाद अमेरिका और ब्रिटेन ने एक साझे ऑपरेशन में यमन के हूती विद्रोहियों पर हवाई हमले किए थे।

एक अप्रैल को सीरिया की राजधानी दमिश्क में स्थित ईरान कॉन्सुलेट पर हुए हमले में 13 लोगों की मौत हुई थी।

इनमें ईरान की क़ुदस फ़ोर्स के सीनियर कमांडर और हिज़बुल्लाह के मददगार की मौत हो गई थी।

ईरान इस हमले के लिए इसराइल को दोषी मानता है। इसराइल ने ये नहीं कहा है कि कॉन्सुलेट पर हमला उसने किया था पर माना जाता है कि ये इसराइल का ही काम था।

हाल के महीनों में सीरिया में ईरान के कई कमांडर मारे गए हैं। इन सब हमलों के पीछे इसराइल का ही हाथ माना जाता है।

ईरान ने कहा है कि 13 अप्रैल को उसने इसराइल पर जो रॉकेट और मिसाइल दागे थे वो एक अप्रैल उसके कॉन्सुलेट पर हुए हमले का ही जवाब थे।

ईरान का इतिहास और अमेरिका के साथ उसके संबंध

मध्य-पूर्व में ईरान की भूमिका और अमेरिका के साथ तनावपूर्ण रिश्तों को दो घटनाओं के ज़रिए समझा जा सकता है।

साल 1979 में ईरान में हुई इस्लामी क्रांति ने उसे पश्चिमी देशों से अलग-थलग कर दिया था।

उस क्रांति के दौरान अमेरिका के 52 कूटनयिकों को तेहरान के अमेरिकी दूतावास में बंदी बनाकर रखा गया था। उस वक्त के अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर का पूरा ध्यान इनकी रिहाई पर था।

अमेरिका में ऐसी भावना थी कि ईरान को इस घटना के लिए सज़ा दी जाए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकेला छोड़ दिया जाए।

यही वजह थी कि पश्चिमी देशों ने इराक़ का साथ देना शुरू कर दिया। 1979 से लेकर 2003 तक इराक़ पर सद्दाम हुसैन का राज था।

साल 1980 से 1988 तक ईरान और इराक़ के बीच जंग चलती रही।

इस युद्ध का अंत तब हुआ जब दोनों देश युद्धविराम के लिए राज़ी हुए लेकिन दोनों को काफ़ी नुकसान का सामना करना पड़ा। दोनों तरफ़ करीब दस लाख लोगों की जान गई थी और जंग से ईरान की अर्थव्यवस्था तहस नहस हो गई थी।

इस युद्ध ने ईरान रणनीतिकारों को ये बता दिया कि भविष्य की जंग लड़ने के लिए उन्हें कई तरह के हथकंडे अपनाने होंगे। इनमें बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल और क्षेत्रीय मिलिटेंट ग्रुपों का समर्थन शामिल था।

इसके बाद अफ़ग़ानिस्तान (2001) और इराक़ (2003) पर अमेरिका की चढ़ाई ने ईरान के आकलन को और मज़बूती दी।

ईरान क्या चाहता है और क्यों?

सैनिक ताक़त के लिहाज से ईरान अमेरिका के सामने बहुत कमज़ोर माना जाता है। इसलिए बहुत से विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान के सत्तारूढ़ निज़ाम ने खुद को बचाए रखने के लिए प्रतिरोध की जिस तथाकथित नीति का सहारा ले रखा है, वो लंबे समय से उसके लिए निर्णायक रही है।

एलेक्स वाटंका मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट (एमईआई) के ईरान कार्यक्रम के संस्थापक निदेशक हैं।

उनका कहना है, "ईरान अमेरिका को मध्य पूर्व से बाहर करना चाहता है। उसकी लंबे समय से ये रणनीति रही है कि दूसरे पक्ष को थकाकर बाहर कर दो।"

अमेरिका में यूनिवर्सिटी ऑफ़ ससेक्स के कामरान मार्टिन की राय में "ईरान वैश्विक मंच पर खुद को एक ताक़तवर खिलाड़ी के रूप में देखना चाहता है।"

अंतरराष्ट्रीय संबंधों के सीनियर लेक्चरर कामरान कहते हैं, "प्राचीन ईरान जिसे इतिहास में पर्सिया के नाम से जाना जाता है, का एक गौरवशाली अतीत रहा है। ईरान का पश्चिमी एशिया पर बारह सौ साल तक असर रहा है।"

"ईरान का मानना है कि क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों में वो एक महत्वपूर्ण भूमिका का हकदार है। फारसी कला और साहित्य की समृद्ध विरासत के बूते ईरान खुद को एक महान राज्य और ताक़त के रूप में देखता है।"

ईरान के पास कितना कंट्रोल है?

राजनीतिक कार्यकर्ता और ईरान मामलों की जानकार यास्मीन मादेर यूनिवर्सिटी ऑफ़ ऑक्सफर्ड से जुड़ी हुई हैं। यास्मीन का कहना है कि अपने साथियों पर ईरान का बहुत ज़्यादा नियंत्रण नहीं है।

यास्मीन रेड सी में जहाजों पर हमला करने वाले हूती विद्रोहियों का उदाहरण देती हैं। उनका कहना है कि ईरान हूती विद्रोहियों का यमन में इस्तेमाल कर रहा है।

लेकिन यास्मीन का ये भी कहना है कि "हूती विद्रोही ईरान के सभी आदेशों की फरमाबरदारी नहीं कर रहे हैं। उनका एक अपना एजेंडा है और वे खुद को एक क्षेत्रीय शक्ति के रूप में देखना चाहते हैं। वे ईरान के सिर्फ़ प्रॉक्सी बनकर नहीं रहना चाहते हैं।"

क्राइसिस ग्रुप के अली वाएज़ कहते हैं, "ईरान जैसे किसी देश के साथ दिक्कत ये है कि उसने अपनी क्षेत्रीय नीति का ठेका नॉन स्टेट एक्टर्स (जैसे- हूती विद्रोही) को दे दिया है। इन नॉन स्टेट एक्टर्स के नेटवर्क पर ईरान का पूरा नियंत्रण नहीं है।"

अली वाएज़ का ये भी मानना है कि ईरान की ताक़त को अक़सर ही बढ़ा-चढ़ाकर आंका जाता है।

वे कहते हैं, "एक विचार ये है कि पूरे इलाके में वर्चस्व की लड़ाई का असली मास्टर माइंड ईरान है, वही शतरंज की पूरी बाज़ी को चला रहा है। लेकिन ईरान और उसके साथी अपना कोई भी ख़ास मक़सद पूरा नहीं कर पाए हैं। न वे ग़ज़ा में संघर्ष विराम के लिए इसराइल को मजबूर कर पाए और न ही अमेरिका को मध्य पूर्व से बाहर का रास्ता दिखा पाए।"

हालांकि ईरान के पास परमाणु ताक़त भी है।

इसके बारे में अली वाएज़ कहते हैं, "ईरान का परमाणु कार्यक्रम पिछले 20 सालों में अपने सबसे एडवांस लेवल पर है।"

अली वाएज़ का मानना है कि ईरान अपने साथियों और सहयोगियों के नेटवर्क के जरिए जो कुछ कर रहा है, उसकी तुलना में उसका परमाणु कार्यक्रम इसराइल और पश्चिमी देशों के लिए अधिक बड़ी समस्या है।

'तृतीय विश्व युद्ध?'

अमेरिकी थिंक टैंक स्टिमसन सेंटर की बारबरा स्लाविन जैसे कुछ विश्लेषकों के अनुसार, इसराइल पर हमला करने का ईरान का फ़ैसला उसके रवैये में बड़ा बदलाव है।

वो कहती हैं, "इसराइल और ईरान के बीच चला आ रहा छाया युद्ध अब खुलकर सामने आ गया है।"

हालांकि बारबरा ये भी कहती हैं कि इसराइल पर ईरान ने अपनी जवाबी कार्रवाई में बहुत सोच समझकर कदम उठाया है। हमले के लिए उसने धीमी रफ़्तार वाले ड्रोन्स चुने ताकि इसराइल और अमेरिका को तैयारी करने का समय मिल सके।

ईरान के उम्रदराज़ हो रहे सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई को इस जवाबी कार्रवाई के लिए हरी झंडी देनी पड़ी ताकि रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडरों को तसल्ली दी जा सके। ईरान की विदेश नीति में रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स की बड़ी भूमिका रहती है।

हालांकि ईरान को ये अच्छी तरह से मालूम है कि इसराइल और अमेरिकी सैनिक ताक़त के साथ बड़ी लड़ाई उसके लिए ख़तरनाक साबित हो सकती है।

ईरान के एक्सपर्ट इस्फ़ंदयार बतमनघेलिडी कहते हैं, "युद्ध से बचे रहना ख़ामेनेई की विरासत के लिए ज़रूरी है। ईरान इसराइल के ख़िलाफ़ जो भी क़दम उठाए, उनका मकसद पूर्ण युद्ध से बचना है।"

मध्य-पूर्व के बिगड़ते हालात के बाद से ही दुनिया भर में 'वर्ल्ड वॉर थ्री' गूगल पर सर्च किया जा रहा है।

ईरानी मामलों के एक्सपर्ट अली वाएज़ कहते हैं कि इसराइल पर ईरान के मिसाइल हमलों के बाद युद्ध छिड़ने के डर को सिरे से ख़ारिज नहीं किया जा सकता।

वाएज़ कहते हैं दोनों देश अब भी एक दूसरे पर छिटपुट वार करते रह सकते हैं लेकिन ये भी संभव है कि ये युद्ध में बदल जाए और इसमें अमेरिका भी शामिल हो जाए। **- साभार, बीबीसी**

नवीन पटनायक: लगातार छठी बार ओडिशा का मुख्यमंत्री बनने की राह में क्या चुनौतियां हैं

इस समय नवीन पटनायक देश में सबसे लंबे अरसे तक मुख्यमंत्री बने रहने वाले नेताओं की सूची में दूसरे नंबर पर हैं।

अगर इस बार भी उनकी पार्टी बीजू जनता दल (बीजेडी) चुनाव जीत जाती है, तो अगस्त के महीने के अंत तक वे इस सूची में सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग को पछाड़ कर पहले स्थान पर आ जाएंगे।

यही नहीं, लगातार छठी बार विधानसभा चुनाव जीतने का अनोखा रिकॉर्ड भी उनके नाम हो जाएगा।

लेकिन लगातार पांच बार आसानी से चुनाव जीतने वाले नवीन इस बार अपनी लंबे और सफल राजनैतिक करियर की सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रहे हैं।

चौबीस साल में पहली बार ऐसा हो रहा है कि उन्हें और उनकी पार्टी को 'एंटी इनकंबेंसी' का सामना करना पड़ रहा है। पटनायक की लोकप्रियता अभी भी कमोबेश कायम है, लेकिन अधिकांश स्थानों पर लगातार सत्ता में रहने के कारण स्थानीय कार्यकर्ता लोगों का भरोसा और समर्थन खोते दिख रहे हैं।

दलबदलुओं को टिकट

यही कारण है कि पार्टी द्वारा अब तक जारी की गई 21 लोकसभा और 118 विधानसभा प्रत्याशियों की सूची में आखिरी वक्त पर भाजपा और कांग्रेस से आए नेताओं की भरमार है।

दोनों ही चुनावों में लगभग एक तिहाई सीटें चुनाव से ठीक पहले अन्य पार्टियों से लाए गए नेताओं को मिला है। अनुमान है कि बाकी बची 30 विधानसभा सीटों पर भी यही देखने को मिलेगा, क्योंकि अन्य पार्टियों से नेताओं का बीजेडी में आना अब भी जारी है।

इसका परिणाम यह हो रहा है कि टिकट की आस लगाए बैठे बीजेडी के कई नेता टिकट न मिलने पर भाजपा का रुख कर रहे हैं।

जिन असंतुष्टों को भाजपा से भी टिकट नहीं मिल रहा, वे या तो खुलेआम घोषित प्रत्याशी के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं या निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में जुट गए हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्य के पूर्व वित्त मंत्री पंचानन कानूनगो मानते हैं कि इस बार बीजद की स्थिति उतनी मजबूत नहीं है जितनी पिछले तीन चुनावों में थी।

पंचानन कानूनगो कहते हैं, "इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बीजद के कितने नेता, विधायक और सांसद पार्टी छोड़ रहे हैं। यही कारण है कि पार्टी को प्रत्याशियों की सूची जारी करने में इतनी देर हो रही है।"

ऐसा नहीं है कि इससे पहले हुए चुनाव में टिकट को लेकर पार्टी में असंतोष नहीं था।

लेकिन पार्टी नेतृत्व ने बहुत ही सफलता के साथ ऐसे असंतोष को मैनेज किया और इसे पार्टी के चुनावी प्रदर्शन को प्रभावित करने से रोका। लेकिन इस बार स्पष्ट दिख रहा है कि नेतृत्व के लिए स्थिति बेकाबू हो रही है।

इसके दो कारण हो सकते हैं। एक तो यह कि इस बार टिकट के उम्मीदवारों की संख्या पहले के सभी चुनावों के मुकाबले कहीं ज्यादा है।

पार्टी के नंबर तीन माने जाने वाले संगठन सचिव प्रणब प्रकाश दास की मानें तो इस बार राज्य के 21 लोकसभा सीटों और 147 विधानसभा सीटों के टिकट के लिए 10,000 से अधिक लोगों ने आवेदन किया था।

पार्टी कार्यकर्ताओं की शिकायत है कि प्रत्याशियों की इतनी भारी संख्या की बावजूद अन्य दलों से लोगों को बुलाकर टिकटें दिया जा रहा है।

जितनी बड़ी संख्या में इस बार दूसरे दलों से आए नेताओं को टिकट दिया जा रहा है, वह पहले कभी नहीं देखा गया। क्या ये पार्टी नेतृत्व का अपने दल के नेताओं से भरोसा उठने का संकेत है?

लेकिन बीजद के प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सस्मित पात्रा इस बात को मानने के लिए तैयार नहीं हैं कि बीजद पहले जैसे मजबूत नहीं रही।

बीबीसी के साथ बातचीत में उन्होंने कहा, "इस तरह की भविष्यवाणी साल 2014 और 2019 के चुनाव से पहले भी की गई थी। लेकिन अंत में नतीजा क्या हुआ, वह सभी के सामने है। इस बार भी मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि हम तीन चौथाई बहुमत से चुनाव जीतेंगे और सरकार बनाएंगे।"

पार्टी छोड़कर जाने वाले नेताओं के बारे में सस्मित पात्रा ने कहा, "वही लोग पार्टी छोड़कर जा रहे हैं, जिन्हे अंदेशा हो गया था कि इस बार उन्हें टिकट नहीं मिलेगा। ऐसे लोगों के जाने से पार्टी को कोई फ़र्क़ नहीं पड़ने वाला है।" **- साभार, बीबीसी**

अब कैसे कैसे नज़ारे देखने को मिलेंगे

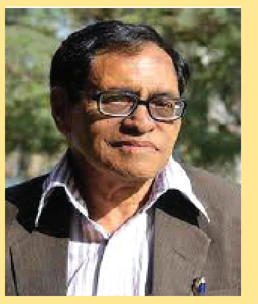

कमलेश भारतीय

अभी प्रसिद्ध अभिनेत्री हेमामालिनी का एक पुराना फोटो बड़ी तेज़ी से वायरल हो रहा है । यह पिछले लोकसभा चुनाव के समय का फोटो है, जब वे मथुरा से भाजपा प्रत्याशी थीं और प्रचार पर निकली हुई थीं । अचानक राह में गेहूं की फसल काटतीं महिलाओं को देख कर वे उनके पास चली गयीं । महिलाओं ने आग्रह किया कि एक फोटो तो बनती है और हेमामालिनी ने गेहूं काटते और कंधों पर उठाये हुए उनके साथ फोटो खिंचवाने में देर नहीं की । वैसे भी हेमामालिनी तो एक अभिनेत्री थीं हीं, सयम की मांग के मुताबिक पोज देने में माहिर ! यूं ही तो वह लाखों करोड़ों फैन्स की ड्रीम गर्ल नहीं बनीं ! इस बार तो हेमामालिनी को भाजपा ने रेस्ट देकर मथुरा से हरियाणा के मुक्केबाज बिजेन्द्र को वहां से प्रत्याशी बनांने का इरादा किया है और कांग्रेस के प्रत्याशी बनने की बजाय बिजेन्द्र ने भाजपा का प्रत्याशी बनना बेहतर समझा । अब देखने वाली बात यह है कि कहीं बिजेन्द्र से प्रचार के समय मिलने वाले वोटर मुक्केबाजी का प्रदर्शन करने की डिमांड न कर बैठें ! फिर उनके मुक्केबाजी का शिकार कौन बनेगा?

इधर हिसार से इनेलो की संभावित प्रत्याशी सुनयना चौटाला ने भी कमाल कर दिखाया, जब वे ट्रैक्टर चला कर प्रचार करने डाबड़ा गांव तक पहुँच गयीं ! एक महिला का हरियाणा में ट्रैक्टर चलाना वैसे तो कोई हैरानी वाली बात नहीं लेकिन महिला प्रत्याशी का ट्रैक्टर चलाकर गांव जाना हिम्मत की बात ही कही जायेगी । अब सुनयना प्रचार के अगले पड़ाव में भी ट्रैक्टर से ही जायेंगीं या फिर बढ़िया लग्जरी गाड़ियों के काफिले के साथ? यह आने वाले दिनों में स्पष्ट हो जायेगा । वैसे तो ऐसे प्रत्याशी भी हुए हैं, जो विरोध जताने के लिए बैलगाड़ी पर भी सचिवालय तक जाते हैं ! कभी कोई प्रत्याशी किसी नन्हे बच्चे को गोदी में लेकर पोज देता दिख जाता है तो हैरान न होना, यह पीआर का काम है !

मंडी(हिमाचल प्रदेश) से भाजपा प्रत्याशी व प्रसिद्ध अभिनेत्री कंगना रानौत ने धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) में धर्मगुरु दलाई लामा से आशीर्वाद लिया । यह भी जरूरी है भाई !

कभी श्रीमती इंदिरा गाँधी के समय को याद कीजिये जब धीरेंद्र ब्रह्मचारी की तूती बोलती थी और न जाने कितने नेता उनकी शरण में जाते थे और उन्हीं दिनों में राजस्थान मे भी एक बाबा थे, जो मचान के ऊपर खड़े होकर सिर पर पैर मार कर आशीर्वाद दिया करते थे और बड़े बड़े नेताओं के फोटो इसी तरह आशीर्वाद लेते हुए छपे देखे ! क्या दृश्य कि ऊपर से पैर मार कर आशीर्वाद लिया जा रहा है ! वोट के लिए क्या क्या न करते हैं नेता लोग ! किन किन मंदिरों में गुपचुप धार्मिक अनुष्ठान भी रखवाते हैं ! इसी तरह कभी बापू आसाराम से भी नेता आशीर्वाद लेते देखे गये लेकिन जब से वे जेल की हवा खा रहे हैं तब से उनके आशीर्वाद की वैल्यू नहीं रही !

इस तरह आने वाले दिनों में प्रत्याशी और भी नये नये तरीकों से चुनाव प्रचार करते दिखें तो हैरान होने की जरूरत नहीं !

-पूर्व उपाध्यक्ष, हरियाणा ग्रंथ अकादमी।

9416047075

कंगना बनाम विक्रमादित्य सिंह: मंडी से कौन मारेगा बाज़ी, बॉलीवुड की 'क्वीन' या हिमाचल के 'प्रिंस'

'कंगना रनौत मेरे बारे में कहती हैं कि मैं राजा का बेटा हूं। मेरे पिता वीरभद्र सिंह सिर्फ़ रामपुर बुशहर रियासत के राजा नहीं थे, वो हिमाचल प्रदेश के दिलों के राजा थे और मुझे गर्व है कि मैं उनका बेटा हूं।'

हिमाचल प्रदेश के लोकनिर्माण मंत्री और मंडी लोकसभा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह ने रविवार को रामपुर बुशहर में अपने पुश्तैनी आवास 'पद्म पैलेस' के बाहर इकट्ठा लोगों को संबोधित करते हुए ये शब्द कहे।

शनिवार शाम को कांग्रेस की ओर से मंडी लोकसभा सीट का प्रत्याशी बनाए जाने के अगले दिन वह अपने प्रचार अभियान का आग़ाज़ कर रहे थे।

बीजेपी की ओर से कंगना को टिकट दिए जाने के बाद से ही यह माना जाने लगा था कि कांग्रेस इस बार उनकी मां और वर्तमान सांसद प्रतिभा सिंह के बजाय विक्रमादित्य सिंह को मंडी से उतार सकती है।

वजह ये थी कि विक्रमादित्य ने सीधे कंगना रनौत के पुराने बयानों को उठाते हुए उनपर निशाना साधना शुरू कर दिया था। कभी उन्होंने सोशल मीडिया पर कंगना रनौत की राजनीतिक समझ पर सवाल उठाए तो कभी पत्रकारों से बात करते हुए उनके पुराने बयानों का ज़िक्र किया।

भी से गर्माया राजनीतिक माहौल

फिर कंगना ने भी सीधे विक्रमादित्य सिंह पर निशाना साधना शुरू कर दिया। इससे कुछ ऐसा माहौल बना कि पूरे प्रदेश में चर्चा होने लगी कि कंगना रनौत को विक्रमादित्य सिंह ही टक्कर दे सकते हैं। आख़िरकार शनिवार शाम कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर विक्रमादित्य को मंडी संसदीय क्षेत्र से उम्मीदवार घोषित कर दिया।

मंडी लोकसभा सीट में छह ज़िलों के 17 विधानसभा क्षेत्र आते हैं। इनमें से तीन विधानसभा क्षेत्र अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं और पांच अनुसूचित जाति के लिए।

आबादी और भूगोल के हिसाब से इतनी विविधता वाले इस विधानसभा क्षेत्र से कई बड़ी हस्तियां चुनकर संसद पहुंची हैं। इनमें भारत की पहली स्वास्थ्य मंत्री रहीं राजकुमारी अमृत कौर, पूर्व दूरसंचार मंत्री पंडित सुखराम और वीरभद्र सिंह शामिल हैं।

इस बार हिमाचल प्रदेश की चारों लोकसभा सीटों पर आख़िरी चरण के तहत मतदान होना है लेकिन मंडी लोकसभा सीट पर सियासी पारा लगातार चढ़ रहा है।

कंगना और विक्रमादित्य एक-दूसरे पर तीखे ज़ुबानी हमले कर चुके हैं। कई बार उनके बयान निजी हमलों की शक्ल में भी होते हैं।

जहां विक्रमादित्य सिंह ने कंगना रनौत को 'मौसमी राजनेता' बताते हुए उनपर बीफ़ खाने का आरोप लगाया, वहीं कंगना ने उनसे सबूत मांगते हुए उन्हें 'छोटा पप्पू' और 'राजा बेटा' कह दिया।

विक्रमादित्य पहले भी अपने विवादित और आक्रामक बयानों के लिए चर्चा में रहे हैं। कई मौकों पर बाद में ऐसे बयानों पर उन्हें खेद भी प्रकट करना पड़ा है।

एक-दूसरे पर ज़ुबानी हमलों के मामलों में दोनों अभी तक एक से बढ़कर एक नज़र आ रहे हैं, लेकिन क्या वोटों के मामले में भी दोनों के बीच कड़ी टक्कर होगी?

वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक हेमंत का मानना है इस बार मंडी लोकसभा क्षेत्र का चुनाव तीखी बयानबाज़ी के कारण मसालेदार होने वाला है, हालांकि इस सब का मतदाताओं पर कोई ख़ास असर नहीं होगा।

वह बताते हैं, "कंगना के भाषणों को सुनें तो लगता है कि वह एक मंझे हुए राजनेता की तरह दिखने की कोशिश कर रही हैं। दूसरी ओर विक्रमादित्य की शैली भी ऐसी रहती है मानो वह बड़े अनुभवी हों। उनके बीच तीखी बयानबाज़ी हो रही है। वैसे तो पूरे हिमाचल में साक्षरता का स्तर अच्छा है, मगर मंडी के मतदाता राजनीतिक रूप से बहुत सजग हैं। ऐसी जागरूकता प्रदेश में कहीं और नहीं दिखती। ऐसे में इन बयानों से आधार पर तो मतदाताओं की राय पर कोई असर नहीं पड़ने वाला।"

विरासत की सियासत

विक्रमादित्य सिंह कई बार कह चुके हैं कि इस बार लोकसभा चुनाव मुद्दों के आधार पर लड़ा जाएगा। वह कंगना से सवाल पूछ रहे हैं कि जब बीते साल हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदा आई थी, तब वह कहां थीं।

उनका आरोप है कि केंद्र की मोदी सरकार ने उस दौरान हिमाचल की पर्याप्त मदद नहीं की और ऊपर से राज्य के विकास के लिए मिलने वाले फंड में भी कटौती की है।

जबकि कंगना रनौत राज्य की कांग्रेस सरकार पर घोटाले करने और चुनाव से पहले किए वादों से मुकरने का आरोप लगा रही हैं।

हालांकि, हेमंत मानते हैं कि मुद्दों की बात बेमानी है क्योंकि पहले भी यहां लोकसभा चुनाव मुद्दों के आधार पर नहीं लड़े गए।

उन्होंने कहा, "बीजेपी पिछले दो चुनावों से तो कोई भी ठोस मुद्दा लेकर नहीं उतरी। वो पीएम मोदी के नाम पर ही वोट मांगती है। वहीं कांग्रेस भी ऐसा मुद्दा लाने में नाकाम रही है, जिसके आधार पर वोटरों को लुभाया जा सके।"

मंडी से बीजेपी के सांसद रहे रामस्वरूप शर्मा के निधन के बाद साल 2021 में इस सीट पर उपचुनाव हुए थे, जिसमें विक्रमादित्य सिंह की मां प्रतिभा सिंह ने क़रीब दस हज़ार वोटों से जीत हासिल की थी।

उस दौरान कांग्रेस ने दिवंगत वीरभद्र सिंह के कार्यकाल के दौरान हुए कामों का हवाला देते हुए उनके लिए श्रद्धांजलि के तौर पर वोट मांगे थे। इस अपील का असर किन्नौर, लाहौल-स्पीति, आनी और रामपुर के इलाक़ों में देखने को मिला था।

इनमें से कई इलाक़े उस पूर्व रामपुर बुशहर रियासत का हिस्सा थे, जिसपर वीरभद्र परिवार के पूर्वजों का शासन रहा था।

हेमंत का कहना है, "हालांकि वह कोविड संकट के बाद तुरंत हुए चुनाव थे तो मेरा मानना है कि तत्कालीन बीजेपी सरकार के प्रति नाराज़गी के कारण भी कांग्रेस को वोट पड़े थे। हालांकि, मंडी लोकसभा सीट के तहत अभी भी एक बड़ा तबका ऐसा है जो वीरभद्र परिवार के प्रति वैसा ही राजा वाला भाव रखता है।"

यही कारण है कि वीरभद्र सिंह के परिवार से उम्मीदवार उतारने में ही कांग्रेस को जीत की ज़्यादा संभावनाएं नज़र आती हैं। - **साभार, बीबीसी**

हनुमान जयंती पर इन चीजों को घर लाना माना जाता है शुभ, लेकिन भूलकर भी न खरीदें ये चीजें

राम भक्त हनुमान का हिंदू धर्म में खास स्थान माना जाता है, इसी कारण हनुमान जयंती का पर्व बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है और भारत में पूर्ण श्रद्धा और जोश के साथ इसे मनाया जाता है। हनुमान जी को संकटमोचन भी कहा जाता है। हनुमान जी की भक्ति करने से सभी प्रकार के भय, रोग, पीड़ा और हर तरह की निगेटिव एनर्जी से मुक्ति मिलती है।

चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को हनुमान जयंती का पर्व मनाया जाता है। इस साल चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 23 अप्रैल, दिन मंगलवार को पड़ रही है। मंगलवार के दिन होने के कारण ये हनुमान जयंती बहुत खास है। मान्यता है कि हनुमान जयंती के दिन कुछ खास चीजें घर में लाने से हनुमान जी की कृपा बरसती है और सभी परेशानियों से मुक्ति मिलती है। आइए जानते हैं हनुमान जयंती के दिन घर में क्या लाना शुभ होगा और क्या अशुभ।

ये चीजें घर में लानी मानी जाती हैं शुभ

हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर

मान्यता के अनुसार, हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर को हनुमान जयंती के दिन घर में लाना शुभ माना जाता है। हनुमान जी की बैठे हुए या खड़े हुए मुद्रा में मूर्ति या प्रतिमा ला सकते हैं।

सिंदूर

सिंदूर हनुमान जी को बहुत प्रिय माना जाता है। इसलिए, हनुमान जयंती पर घर में सिंदूर लाना बहुत शुभ माना जाता है।

केसर

केसर भी हनुमान जी को प्रिय मानी जाती है। हनुमान जयंती के दिन केसर घर लाना और उससे हनुमान जी की पूजा करना बहुत शुभ माना जाता है।

ध्वज

हनुमान जयंती पर घर में हनुमान जी का ध्वज लाना भी बहुत अच्छा माना जाता है। इस ध्वज को घर के मुख्य द्वार पर लगाना चाहिए।

फल और मिठाई

हनुमान जयंती पर भगवान हनुमान को फल और मिठाई का भोग लगाना शुभ माना जाता है। इसलिए हनुमान जयंती पर की उनके पसंदीदा फल जैसे केला, सेब और संतरा घर लाएं और हनुमान जी का भोग लगाएं।

यें चीजें घर लानी मानी जाती हैं अशुभ

मांसाहारी भोजन और मदिरा

हनुमान जयंती पर मांसाहारी भोजन और मदिरा का सेवन भूलकर भी नहीं करना चाहिए। ऐसा करना बहुत अशुभ माना जाता है।

अश्लील सामग्री

हनुमान जयंती पर घर में अश्लील सामग्री नहीं लानी चाहिए और ना ही इस दिन इन चीजों मे रुचि रखनी चाहिए।

काले रंग की वस्तुएं

हनुमान जी का प्रिय रंग लाल माना जाता है, काला रंग उनका प्रिय रंग नहीं माना जाता, इसलिए, हनुमान जयंती पर घर में काले रंग की वस्तुएं नहीं लानी चाहिए।

जिस ईरान ने मुगलों को दिलवाई सत्ता उससे ही क्यों लड़ती रहीं बाबर की पीढ़ियां?

ईरान की सीमा भारत से नहीं लगती, फिर भी दूसरे देशों की तुलना में उसका असर भारतीय संस्कृति पर सबसे गहरा पड़ा है। पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अपनी किताब 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' में लिखा है कि बाकी सभी जातियों में से ईरानी सबसे पुराने और बार-बार भारत के संपर्क में आने और संस्कृति को प्रभावित करने वाले रहे हैं। मुगल काल में भी हिंदुस्तान और ईरान (तब फारस) का संपर्क कई बार हुआ। हालांकि, हर बार वो मुलाकात दोस्ती भरी नहीं थी।

जब हिंदुस्तान पर मुगलों का शासन था, तब ईरान में सफाविद साम्राज्य था। सफाविद सबसे बड़े और लंबे समय तक चलने वाले ईरानी साम्राज्यों में से एक था। 1501 से 1736 तक सफाविद राजवंश का शासन रहा। मुगलों और सफवी वंश के शासकों के बीच का रिश्ता उतार-चढ़ाव वाला रहा है। लेकिन एक इलाके के लिए इन दो बड़े साम्राज्यों में हमेशा तनातनी रही। वो था अफगानिस्तान का कंधार। इसे पाने के लिए बाबर से लेकर शाहजहां तक ने कई जंग लड़ी।

बाबर और ईरान के शाह का गठबंधन

हिन्दुस्तान आने से पहले बाबर का मुख्य उद्देश्य समरकंद पर कब्जा करना था, जिसे वो अपना पैतृक घर मानता था। उस समय समरकंद शायबक खान उज्बेक के अधीन था। उसने समरकंद जीतने के कई प्रयास किए लेकिन वो हर बार नाकाम रहा। फिर उसे खबर मिलती है कि शायबक उज्बेक को शाह इस्माइल सफवी के सैनिक ने मार दिया है। अपने पैतृक घर को जीतने के लिए बाबर ने शाह सफवी से गठबंधन कर लिया। दोनों के बीच अच्छे संबंध बने।

जब इस्माइल ने बाबर की बहन को उज़्बेक के कब्जे से छुड़ाया तो बाबर ने भी सफवी के दरबार में अपना दूत भेजा। बाबर ने फारस के राजा के प्रति अपनी वफादारी पेश की और उज्बेक को दबाने के लिए उससे सहायता की मांग की। बाबर को इस्माइल से सैन्य सहायता मिली भी पर सांप्रदायिक वजहों से उनका गठबंधन टूट गया। समरकंद को जीतने की एक और नाकाम कोशिश के बाद बाबर ने हिंदुस्तान की ओर रूख किया और सुल्तान लोदी को हराकर 1526 में हिंदुस्तान में मुगल साम्राज्य की स्थापना की।

अपने वादे से मुकर गया हुमायूं

बाबर के मरने के बाद 1530 में हुमायूं को दिल्ली की गद्दी मिली। तब तक ईरान का शासक भी बदल चुका था।इस्माइल सफवी की जगह उसके बेटे शाह तहमास प्रथम ने ले ली थी। मुगलों और सफाविद साम्राज्य का दूसरी बार तब संपर्क हुआ जब शेर शाह सूरी से बुरी तरह हारने के बाद हुमायूं फारस पहुंचा। वहां वो 15 सालों तक रहा और फारस के राजा की मदद से 1555 में हिंदुस्तान की गद्दी को फिर से जीतने में कामयाब रहा। शाह तहमास ने हुमायूं की मदद इस शर्त पर की थी कि बदले में उसे कंधार का इलाका मिलेगा। लेकिन दिल्ली जीतने के बाद हुमायूं अपनी बात से मुकर गया। दरअसल, उस समय रणनीतिक रूप से कंधार एक महत्तवपूर्ण शहर था।

अकबर ने फिर जीत लिया कंधार

हुमायूं की मौत के बाद अकबर को 1556 में सल्तनत की गद्दी मिली। तब कंधार का मुद्दा फिर उठा। नतीजा यह रहा कि कंधार सन् 1558 में फारस का हो गया। हालांकि, इतिहासकार इसके विपरीत दो कहानी बताते हैं। कुछ इतिहासकार मानते हैं कि सफवी के शाह तहमास ने कंधार को जीतने के लिए एक बड़ी फौज भेजी थी। वहीं,दूसरे इतिहासकारों के मुताबिक, अकबर ने हुमायूं के वादे के तहत फारस के शाह को कंधार सौंप दिया। हालांकि, अकबर ने साम्राज्य के विस्तार के इरादे से 1595 में कंधार को फिर जीत लिया।

झगड़े की जड़ बना रहा कंधार

कंधार को लेकर ईरान के शाह और मुगलों के बीच संघर्ष लगातार चलता रहा। जहांगीर के शासन में कंधार को शाह ने जीत लिया। इसकी एक प्रमुख वजह रही जहांगीर के बेटे शाहजहां की बगावत। दरअसल, जहांगीर ने कंधार की सुरक्षा के लिए शाहजहां को वहां जाने का आदेश दिया था, लेकिन शहजादे ने मना कर दिया। यही वजह रही कि जहांगीर के मरने तक कंधार मुगलों के हाथ नहीं आया।

शाहजहां के शासनकाल के दौरान कंधार पर कब्जा करने के सभी तीन प्रयासों में मुगलों को नाकामी हाथ लगी और कंधार फारस के हाथों में रहा। जब औरंगजेब बादशाह बना तो उसने इसे जीतने का प्रयास ही नहीं किया। इसकी दो वजहें थी। पहला, फारस की फौज के पास से मुगलों से बेहतर तोपें थीं। दूसरी वजह यह थी कि कंधार मजबूत किला था। इसको केवल सैन्य क्षमता पर कब्जाना आसान नहीं था। अकबर के शासनकाल में कंधार की जीत की बड़ी वजह फारसी गवर्नरों का विश्वासघात था।

महानवमी के दिन इस तरह करें मां सिद्धिदात्री की पूजा, जानें पूजा विधि, मंत्र जाप और आरती

17 अप्रैल 2024 को चैत्र नवरात्रि की नवमी तिथि है। महानवमी का यह दिन मां दुर्गा के सिद्धिदात्री रूप को समर्पित है। इस दिन भक्त मां सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना करने के साथ कन्याओं का पूजन अथवा भोजन भी कराते हैं। ऐसा करने से भक्तों पर मां दुर्गा की कृपा बनी रहती है। लोग इस दिन कन्या पूजन के साथ मां सिद्धिदात्री की विशेष रूप से पूजा आराधना करते हैं। मां को आदि शक्ति भगवती के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि मां सिद्धिदात्री की विधि पूर्वक पूजा अर्चना करने से भक्तों को सिद्धि और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं कि इस दिन का महत्व मंत्र जप और आरती के बारे में

मां सिद्धिदात्री का स्वरुप

मान्यता के अनुसार, नवमी के दिन पूजी जाने वाली देवी मां सिद्धिदात्री का स्वरूप गौर, दिव्य और शुभता प्रदान करने वाला है। मां सिंह वाहन और कमल पर भी आसीन होती हैं। इनकी चार भुजाएं हैं, दाहिने ओर के नीचे वाले हाथ में चक्र, ऊपर वाले हाथ में गदा और बाईं ओर के नीचे वाले हाथ में शंख और ऊपर वाले हाथ में कमल का फूल है। मां को बैंगनी और लाल रंग अतिप्रिय होता है। माना जाता है मां सिद्धिदात्री की कृपा से ही शिवजी का आधा शरीर देवी का हुआ और इन्हें अर्द्धनारीश्वर कहा गया। साथ ही मां सिद्धिदात्री को देवी सरस्वती का भी स्वरूप माना गया है।

मां सिद्धिदात्री की पूजा विधि

नवमी को मां सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना करने के लिए सुबह स्नान कर साफ वस्त्र धारण करें, उसके बाद सबसे पहले कलश की पूजा व समस्त देवी देवताओं का ध्यान करें। मां को मोली, रोली, कुमकुम, पुष्प और चुनरी चढ़ाकर मां की भक्ति भाव से पूजा करें। इसके बाद मां को पूरी, खीर, चने, हलुआ, नारियल का भोग लगाएं। उसके बाद माता के मंत्रों का जाप करें और नौ कन्याओं के साथ एक बालक को भोजन कराएं।

मां सिद्धिदात्री के मंत्र जाप

पूजा मंत्र

सिद्धगन्धर्वयक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि,

सेव्यमाना सदा भूयात सिद्धिदा सिद्धिदायिनी।

स्वयं सिद्ध बीज मंत्रः

ह्रीं क्लीं ऐं सिद्धये नमः।

मां सिद्धिदात्री स्तुति

या देवी सर्वभूतेषु माँ सिद्धिदात्री रूपेण संस्थिता।

नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

मां सिद्धिदात्री ध्यान

वन्दे वाञ्छित मनोरथार्थ चन्द्रार्धकृतशेखराम्।

कमलस्थिताम् चतुर्भुजा सिद्धीदात्री यशस्विनीम्॥

स्वर्णवर्णा निर्वाणचक्र स्थिताम् नवम् दुर्गा त्रिनेत्राम्।

शङ्ख, चक्र, गदा, पद्मधरां सिद्धीदात्री भजेम्॥

पटाम्बर परिधानां मृदुहास्या नानालङ्कार भूषिताम्।

मञ्जीर, हार, केयूर, किङ्किणि रत्नकुण्डल मण्डिताम्॥

प्रफुल्ल वन्दना पल्लवाधरां कान्त कपोला पीन पयोधराम्।

कमनीयां लावण्यां श्रीणकटिं निम्ननाभि नितम्बनीम्॥

मां सिद्धिदात्री की आरती

जय सिद्धिदात्री मां, तू सिद्धि की दाता।
तू भक्तों की रक्षक, तू दासों की माता।
तेरा नाम लेते ही मिलती है सिद्धि।
तेरे नाम से मन की होती है शुद्धि।
कठिन काम सिद्ध करती हो तुम।
जभी हाथ सेवक के सिर धरती हो तुम।
तेरी पूजा में तो ना कोई विधि है।
तू जगदम्बे दाती तू सर्व सिद्धि है।
रविवार को तेरा सुमिरन करे जो।
तेरी मूर्ति को ही मन में धरे जो।
तू सब काज उसके करती है पूरे।
कभी काम उसके रहे ना अधूरे।
तुम्हारी दया और तुम्हारी यह माया।
रखे जिसके सिर पर मैया अपनी छाया।
सर्व सिद्धि दाती वह है भाग्यशाली।
जो है तेरे दर का ही अम्बे सवाली।
हिमाचल है पर्वत जहां वास तेरा।
महा नंदा मंदिर में है वास तेरा।
मुझे आसरा है तुम्हारा ही माता।
भक्ति है सवाली तू जिसकी दाता।

न्यूज ब्रीफ..

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कांग्रेस के पांच न्याय और 25 गारंटियों की लोगों को जानकारी देनी होगी: संजय अवस्थी

शिमला . प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष मुख्य संसदीय सचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी के चुनाव वॉर रूम के अध्यक्ष संजय अवस्थी ने वॉर रूम के सभी पदाधिकारियों से अपने अपने दायित्व का पूरी ईमानदारी से निर्वाह करने का आग्रह करते हुए कहा है कि उन्हें फील्ड में डटे पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ पूरा समन्वय बना कर हर रोज इसकी जानकारी उन्हें देनी होगी, जिससे किसी भी कमी को समय रहते दूर किया जा सकें। वॉर रूम के पदाधिकारियों के साथ एक बैठक में उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी दिशानिर्देश अक्षरशः लागू किये जायें। संजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सभी जिला अपने अपने ब्लॉकों के साथ हर बूथ की निगरानी करते हुए बूथ एजंटों से पूरा तालमेल रखते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वॉर रूम के अपने अपने प्रभारियों के संपर्क में रहेंगे। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त किसी भी समस्या के निवारण के लिये कोई भी पदाधिकारी उनसे किसी भी समय संपर्क कर सकता हैं।

अवस्थी ने कहा कि जल्द ही सभी ब्लॉकों में पार्टी की चुनाव प्रचार सामग्री भेजना शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के हर कार्यकर्ता को घर घर जाकर कांग्रेस के पांच न्याय और 25 गारंटियों की लोगों को जानकारी देनी होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में 15 महीनों की उपलब्धियां जिसमें कर्मचारियों को ओल्ड पेंशन के साथ साथ महिलाओं को 1500 रुपए देने की पार्टी की गांरटी थी उसे मुख्यमंत्री ने पूरा किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अब तक अपनी 10 गारंटियों में से 5 को पूरा कर दिया है,जबकि शेष पांच को भी चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार पूरी तरह स्थिर व एकजुट है और प्रदेश की चारों लोकसभा के साथ साथ छह विधानसभा चुनावों में अपनी जीत का परचम लहरायेगी।

हरियाणा कांग्रेस के कई विभागों के नियुक्त किए गए चेयरमैन

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . हरियाणा में जिला और ब्लॉक स्तर पर संगठन की कमी से जूझ रही कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के वक्त प्रकोध्ठो के चेयरमैन नियुक्त कर कुछ ताकत जुटाने का प्रयास किया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी उदयभान ने ये नियुक्तियां की हैं। कांग्रेस नेता राकेश गर्ग को हरियाणा कांग्रेस के केमिस्ट सेल का चेयरमैन बनाया गया, रिटायर्ड आईएएस चंद्र प्रकाश को दस्तकार और शिल्पकार सेल, डॉक्टर राजेश शर्मा को डॉक्टर सेल, अशोक बुवानीवाला को इंडस्ट्रीज सेल, महावीर मलिक को रिटायर्ड गवर्नमेंट एंप्लॉयज सेल, लखन सिंघला को व्यापार मंडल सेल का चेयरमैन नियुक्त किया गया है।

चौधरी उदयभान ने नियुक्त किए गए सभी चेयरमैन को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि सभी मिलकर पार्टी की मजबूती के लिए काम करेंगे। और सभी लोग लोकसभा और विधानसभा चुनाव की लड़ाई को मजबूती से लड़ेंगे, ताकि हर वर्ग का शोषण कर रही इस सरकार को सत्ता से बाहर किया जा सके।

उन्होंने कहा कि आज हर वर्ग इस सरकार से विमुख हो चुका है और प्रदेश की जनता इस सरकार की असल सच्चाई जान चुकी है। इसलिए प्रदेश में अबकी बार बदलाव पहले से ही तय है और निश्चित तौर पर देश और प्रदेश में भी कांग्रेस की सरकार बनेगी।

गगरेट ने एक ही बार आजाद प्रत्याशी को पहुंचाया विधानसभा

कांग्रेस के चौधरी अमर सिंह को हरा कर मोहन लाल दत्ता ने पहली और आखिरी बार जीता था चुनाव

प्रचण्ड समय . शिमला

यूं तो विधानसभा क्षेत्र गगरेट राजनीतिक दलों की पसंद को ही अपनी पसंद बनाता आया है लेकिन एक समय ऐसा भी आया जब विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दलों द्वारा उतारे गए प्रत्याशियों को नकारते हुए विधानसभा क्षेत्र गगरेट के मतदाताओं ने बतौर आजाद उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतरे मोहन लाल दत्ता को ही जीत दिलाकर विधानसभा पहुंचा डाला। बतौर आजाद उम्मीदवार जीत दर्ज करने का करिश्मा न तो मोहन लाल दत्ता से पहले कोई दिखा पाया और न ही उनके बाद बतौर आजाद उम्मीदवार विधानसभा क्षेत्र गगरेट से कोई उम्मीदवार जीत दर्ज कर विधानसभा का सफर तय कर पाया। बात वर्ष 1962 में हुए विधानसभा चुनाव की है। उस समय हिमाचल प्रदेश को अलग राज्य का दर्जा भी नहीं मिला था। गगरेट-चिंतपूर्णी एक ही विधानसभा क्षेत्र था तो ऊना उस समय पंजाब के होशियारपुर जिला की एक तहसील हुआ करता था। उन दिनों कांग्रेस के दिग्गज नेता पूर्व मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरों का पंजाब की राजनीति में पूर्ण दबदबा था। वर्ष 1962 में हुए विधानसभा चुनाव में प्रताप सिंह कैरों ने चौधरी अमर सिंह को इस विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव मैदान में उतारा था। कोई दावे के साथ यह नहीं कह सकता था कि चौधरी अमर सिंह चुनाव हार भी सकते हैं।

चौधरी अमर सिंह भी उस दौर के कद्दावर नेताओं में शुमार थे। उसी दौर में कुछ ऐसा हुआ कि कुछ स्थानीय नेताओं ने मोहन लाल दत्ता को बतौर आजाद उम्मीदवार ही चुनाव मैदान में उतार दिया था। मोहन लाल दत्ता सादगी पसंद इनसान थे। वे खेतीबाड़ी के साथ अपने ज्यादातर काम खुद ही किया करते थे। उस दौर में मतदाताओं को उनकी सादगी इस कद्र भाई कि चुनाव में वह सर्वाधिक वोट हासिल करने में कामयाब हुए। जिस समय विधानसभा चुनाव का चुनाव परिणाम घोषित हुआ तो उस समय मोहन लाल दत्ता अपने पैतृक गांव खड्ड के साथ बहने वाली सोमभद्रा नदी के किनारे थे। शायद उन्हें यकीन नहीं था कि वह चौधरी अमर सिंह के विरुद्ध चुनाव जीत जाएंगे। इसलिए ही वह चुनाव परिणाम सुनने भी नहीं गए। कुछ लोगों ने उन्हें पहुंच कर बताया कि वह चुनाव जीत गए हैं। इस चुनाव परिणाम ने चौधरी अमर सिंह के साथ-साथ पूर्व मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरों को भी हैरत में डाल दिया था। यह पहली और आखिरी बार था कि कोई आजाद प्रत्याशी भी यहां से चुनाव जीता था। आज भी इस पूर्व विधायक के नाम पर खड्ड गांव में मोहन लाल दत्ता मैमोरियल फुटबाल टूर्नामेंट का आयोजन कर उन्हें याद किया जाता है। एचडीएम

करेरी में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाताओं को किया जागरूक

प्रचण्ड समय . धर्मशाला

डाक विभाग मंडल धर्मशाला की ओर चुनाव का पर्व अभियान के तहत करेरी में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाताओं को मत के अधिकार का प्रयोग करने के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर अधीक्षक डाकघर रविंद्र शर्मा ने कहा कि सुदृढ़ लोकतंत्र के लिए मतदान अत्यंत जरूरी है। उन्होंने कहा कि पात्र सभी युवाओं को अपना वोटर आईडी कार्ड अवश्य बनाना चाहिए ताकि मतदान से वंचित नहीं रह सकें। अधीक्षक डाकघर रविंद्र शर्मा ने कहा कि मतदान बिना किसी प्रलोभन अथवा दबाब में आए बिना करना चाहिए ताकि सही प्रत्याशी का चयन हो सके। पंचायत प्रधान सुषमा देवी ने पंचायत के सभी मतदाताओं से वोट अवश्य डालने का आग्रह भी किया। इस अवसर पर वार्ड मेंबर शिव दत्त, सहायक अधीक्षक कमल शर्मा, डाकपाल सुरेश कपूर, निरीक्षक डाकघर अश्वनी पठानिया, डाक पर्यवेक्षक संजय कपूर, डाक सहायक रेनिश छेत्री, विजय कपूर, रंजन सहित विभिन्न गणमान्य लोग उपस्थित थे।

डाक मतपत्र से वोट डाल सकेंगे आवश्यक सेवाओं में लगे मतदाता: डीसी

प्रचण्ड समय . धर्मशाला

जिला निर्वाचन अधिकारी उपायुक्त हेमराज बैरवा ने बताया कि आवश्यक सेवाओं में कार्यरत मतदाता अपना वोट डालने के लिए डाक मतपत्र का उपयोग कर सकते हैं। वे रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) को फॉर्म 12-डी जमा करके इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

उन्होंने बताया कि आवश्यक सेवा अधिकारियों की इस श्रेणी में स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर, पैरा-मेडिकल स्टाफ, एम्बुलेंस सेवा कर्मी, एचआरटीसी के ड्राइवर और कंडक्टर (स्थानीय रूट बस सेवाओं को छोड़कर), अग्निशमन सेवाएं, एचपी राज्य दुग्ध संघ और दुग्ध सहकारी हिमाचल प्रदेश स्टेट मिल्क फेडरेशन तथा दुग्ध सहकारी समितियों की दूध आपूर्ति सेवा के कर्मचारी शामिल हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा अधिकृत स्थानीय मीडियाकर्मी, जल शक्ति विभाग में पंप ऑपरेटर और टर्नर और विद्युत बोर्ड के इलेक्ट्रीशियन और लाइनमैन तथा जेल स्टाफ, जिनके मतदाता सूची में नामांकित हैं, डाक मतपत्र के माध्यम से अपना वोट डाल सकते है। बता दें डाक मतदान, जिसे अनुपस्थित मतदान भी कहा जाता है, जिसमें मतदाता मतदान केंद्र पर भौतिक रूप से आने के बजाय मतपत्र के माध्यम से अपना मत डाल सकते हैं। यह विधि उन व्यक्तियों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है जो अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र से दूर होने, या चुनाव के दिन आवश्यक सेवाओं में लगे होने के कारण व्यक्तिगत रूप से मतदान करने में असमर्थ हैं।

बैलेट पेपर एवं पोस्टल बैलेट पेपर प्रिंट करने के संबंध में बैठक आयोजित

प्रचण्ड समय . शिमला

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी कानून एवं व्यवस्था अजीत भारद्वाज की अध्यक्षता में आज बचत भवन में बैलेट पेपर एवं पोस्टल बैलेट पेपर प्रिंट करने के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में लोकसभा चुनाव के सफल आयोजन के लिए बेल्ट पेपर एवं पोस्टल बैलेट पेपर को प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी विभाग हिमाचल प्रदेश कच्ची घाटी शिमला से प्रिंट करवाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी कानून एवं व्यवस्था ने कहा कि 17 मई 2024 को दोपहर बाद 03 बजे तक शिमला संसदीय सीट (आरक्षित) के सभी उम्मीदवारों की सूचि फाईनल हो जाएगी, तदोपरान्त बैल्ट पेपर एवं पोस्टल बेल्ट पेपर प्रिंट करने का कार्य आरम्भ कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बैल्ट पेपर एवं पोस्टल बेल्ट पेपर प्रिंट करने में कोई परेशानी न आए इसलिए एडवांस में सोफ्टवेयर को अपडेट करने की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। उन्होंने कहा कि एक फैसिलिटेशन सेंटर भी बनाया जाएगा जिसमें 29 मई से पहले कोई भी तीन दिन निश्चित किए जाएंगे जिसमें सर्विस वोटर एवं आवश्यक सेवाओं से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी अपना अपना वोट डाल सकते है। उन्होंने कहा कि 85 वर्ष से अधिक के वरिष्ठ मतदाता तथा दिव्यांग मतदाताओं के बैलेट पेपर एवं पोस्टल बैलेट पेपर भी प्रिंटिंग प्रेस में ही प्रिंट किए जाने है इसलिए छापने की प्रक्रिया तय समय अवधि के भीतर सुनिश्चित की जाएगी। अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में शामिल सभी अधिकारी/कर्मचारी मतदान एवं मतगणना के दौरान अपना-अपना पहचान पत्र बनाना भी सुनिश्चित करें ताकि मतदान के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।इस अवसर पर नियंत्रक प्रिंटिंग प्रैस राजीव प्रभा, तहसीलदार निर्वाचन राजेंद्र शर्मा सहित विभिन्न नोडल अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी उपस्थित रहे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में कैथलीघाट से शकराल तक निर्मित हो रहे फोरलेन के लिए फेस-1 की निर्माणाधीन टनल की ब्लास्टिंग एवं कंपन के दुष्प्रभाव से निपटने के लिए मैसर्स सैमन इंफ्राकॉर्प के साथ बैठक आयोजित

प्रचण्ड समय . शिमला

उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में आज यहां राष्ट्रीय उच्च मार्ग-5 पर कैथलीघाट से शकराल गांव तक लगभग 18 किलोमीटर निर्माणाधीन फोरलेन पर फेस-1 में कैथलीघाट शुंगल से गोरोकवां तक मैसर्स सैमन इंफ्राकॉर्प द्वारा निर्मित की जा रही टनल में ब्लास्टिंग एवं कंपन से होने वाले दुष्प्रभाव से निपटने के लिए बैठक आयोजित की गई।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि कैथलीघाट से शकराल गांव तक लगभग 18 किलोमीटर निर्मित की जा रही फोरलेन शिमला शहर से कुछ ही दूरी पर निर्मित की जा रही है जिस कारण स्थानीय पंचायत क्षेत्र में धूल, मिट्टी तथा पर्यावरण की समस्या होने के साथ-साथ शिमला शहर व आसपास का क्षेत्र भी प्रभावित हो सकता है, इसलिए टनल का निर्माण निर्धारित मापदण्डों के तहत किया जाना अनिवार्य है।

उन्होंने कंपनी अधिकारियों को निर्देश दिए कि नियम 92 एक्सप्लोसिव एक्ट के तहत टनल के निर्माण में इस्तेमाल किए जाने वाले ब्लास्टिंग मटेरियल का सही रखरखाव, संरक्षण एवं भंडारण सुनिश्चित करने के साथ-साथ निर्माण कार्य में लगे कामगारों/इंजिनियरों की प्रतिदिन सभी शिफ्टों की ड्यूटी का पंजीकरण, फोटो एवं विडियोग्राफी, सायरन बजाना, पर्यावरण नियंत्रण, अग्निशमन उपकरण व्यवस्था करना, काम करने वाले श्रमिकों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा जूते, हेलमेट आदि जैसे सुरक्षा उपकरण प्रदान करना तथा आपातकाल के समय कंपनी द्वारा प्राथमिक चिकित्सा सुविधा प्रदान करना, जिसमें एम्बुलेंस की व्यवस्था भी शामिल हो, सही मापदंडों एवं अनुमोदित प्लान के तहत अनिवार्य है, जिसकी निगरानी एवं समय-समय पर निरीक्षण के लिए उपायुक्त ने एडीएम कानून एवं व्यवस्था, एसडीएम शिमला ग्रामीण तथा खनन अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उन्होने कहा कि टनल निर्माण में होने वाली ब्लास्टिंग एवं कंपन से कैमीकल रिसाव होने का अंदेशा है जिससे शिमला जिला की तीन पंचायतों के ग्रामीण प्रभावित हो सकते है और जल स्त्रोतों के दूषित होने एवं सूखने की स्थिति बन सकती है, इसलिए सुरक्षा प्रबन्धन अनुमोदित प्लान के तहत निर्माण कार्य किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि टनल से जो मलबा निकाला जा रहा है उसे अनुमोदित डंपिंग साईटों पर ही फैंका जाए। उपायुक्त ने कहा कि ब्योलिया फोरलेन क्षेत्र में जो मलबा फैंका जा रहा है वह बिना अनुमति के फेंका जा रहा है। लोगों के पीने के पानी के स्त्रोत एवं रास्ते खराब हो रहे है और पर्यावरण को भी नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली बरसात में जान माल के भारी नुकसान के मद्देनजर फोरलेन एवं टनल से निकलने वाले मलबे को निजी भूमि एवं असुरक्षित जगह पर डंपिंग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी जिसके निरीक्षण एवं निगरानी के लिए उन्होंने एडीएम कानून एवं व्यवस्था तथा एसडीएम शिमला ग्रामीण को आवश्यक दिशा निर्देश दिए ।

उल्लेखनीय है कि फोरलेन टनल निर्माण कार्य मानदंडों के अनुरूप न होने पर एनजीटी द्वारा चिन्ता व्यक्त की गई थी। इसके अतिरिक्त तीनों पंचायत क्षेत्र के ग्रामीणों से भी इस संबंध में विभिन्न शिकायत पत्र जिला प्रशासन को प्राप्त हुए थे, जिस पर उपायुक्त द्वारा फोरलेन टनल निर्माण कार्य में लगी मैसर्स सैमन इंफ्राकॉर्प के अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए। बैठक में 37 विभिन्न मददों पर विस्तार से चर्चा की गई ।

इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त अभिषेक वर्मा, अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी प्रोटोकॉल ज्योति राणा, अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी कानून एवं व्यवस्था अजीत भारद्वाज, उपमण्डलाधिकारी शिमला शहरी भानू गुप्ता, उपमण्डलाधिकारी शिमला ग्रामीण कविता ठाकुर, मैसर्स सैमन इंफ्राकॉर्प के अधिकारी एंव वन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे ।

ईआरसीपी और पीकेसी लिंक समझौते को लेकर गहलोत ने प्रदेश की जनता को किया गुमराह, भाजपा ने 100 दिन की कार्य योजना में किया समझौता:— निर्मला सीतारमण

ललित शर्मा . जयपुर

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए एक जहां भाजपा के संकल्प पत्र को विकसित भारत 2047 का विजन पत्र बताया वहीं दूसरी ओर पूर्व सीएम अशोक गहलोत और कांग्रेस पार्टी पर चुनाव के समय वोट के लिए झूठ बोलकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राजस्थान की भाजपा सरकार ने 100 दिन की कार्य योजना पर काम करते हुए ईआरसीपी और पीकेसी लिंक योजना समझौता किया। जबकि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने प्रदेश में जल की भारी किल्लत होने के बावजूद इस महत्वपूर्ण योजना को लटकाए रखा। मेरी नजर में अशोक गहलोत पहले ऐसे सीएम है जिन्होंने पानी जैसे महत्वपूर्ण विषय को गंभीरता से नहीं लिया और ईआरसीपी योजना को अटकाने का काम किया। इसलिए विधानसभा चुनावों में राजस्थान की जनता ने नारा दिया था ''गहलोत मत लौट''

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भ्रष्टाचार, कुशासन, झूठे वादे और वोट बैंक के खातिर जनता को गुमराह करना कांग्रेस की पुरानी आदत है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में ओपीएस का ज्रिक तक नहीं किया जबकि ओपीएस कांग्रेस का मुद्दा था। वहीं राजस्थान की पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने ओपीएस के नाम पर भ्रम फैलाने का काम किया। कांग्रेस घोषणा पत्र जारी करने के समय दिल्ली के नेताओं ने ओपीएस पर अशोक गहलोत की राय क्यों नहीं ली।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा का संकल्प पत्र पूरी तरह से गुड गवर्नेस, डिजिटल गवर्नेस के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर डवलप करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। राजस्थान में सीमावर्ती जिलों के अंतिम गांव को मोदी सरकार ने पहला गांव मानकर उनका इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने का काम शुरू कर दिया है। सीमावर्ती गांवों में बेहतर सड़क मार्ग और टेक्नोलोजी की मदद से ड्रग्स तस्करी पर नियंत्रण करने में मदद मिलेगी। बीआरओ ने पिछले पांच सालों में राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में करीबन 9 हजार किलोमीटर सड़क का निर्माण किया है। सीमा क्षेत्रों में तारबंदी कर अवैध गतिविधियों को रोकने का प्रयास किया जा रहा है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि दक्षिण—पश्चिम राजस्थान में खनिज के भरपूर भंडार के चलते यहां की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में काफी मदद मिलेगी। राजस्थान एमएसएमई के लिए जाना जाता है। ऐसे में भाजपा ने संकल्प पत्र में एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए मुद्रा लोन की सीमा को बढ़ाकर 20 लाख तक कर दी है। राजस्थान में पानी की कमी को देखते हुए पर्याप्त जल प्रबंधन के उद्देश्य से बूंद—बूंद सिंचाई योजना को बढावा दिया जा रहा है। वहीं भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रूपए तक का ईलाज निःशुल्क देने का वादा किया है। राजस्थान में पीएम सूर्य घर योजना की व्यापक संभावनाएं है। इससे जनता को मुफ्त बिजली के साथ ही रूफ टॉप पर सोलर पैनल लगाकर अतिरिक्त आय बढ़ाने का अवसर भी मिलेगा।

प्रेसवार्ता के दौरान मंच पर भाजपा की राष्ट्रीय सचिव डॉ अल्का गुर्जर, भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी और प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ मौजूद रहे।

भारत के लिए ईरान का चाबहार पोर्ट क्यों जरूरी, कैसे जुड़ा कनेक्शन? पढ़ें पूरी कहानी

ईरान और इजराइल के बीच हालात सामान्य नहीं हुए हैं।ईरान के हमले के बाद इजराइल की वॉर कैबिनेट ने साफ कर दिया है वो चुप नहीं बैठेगा।ईरान से बदला लेगा, हालांकि ऐसा कब और कैसे होगा, वॉर कैबिनेट की रविवार को हुई बैठक में इस पर खुलासा नहीं किया है।इस जंग का असर ईरान के चाबहार पोर्ट पर भी पड़ सकता है, जिससे सीधे तौर पर भारत भी जुड़ा हुआ है.

पहली बार यह तब चर्चा में आया था जब पीएम मोदी 2017 में ईरान के तेहरान गए थे।साल 2021 में ताशकंद के एक कार्यक्रम भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चाबहार बंदरगाह को अफगानिस्तान समेत एक प्रमुख ट्रांजिट हब के रूप में पेश किया.

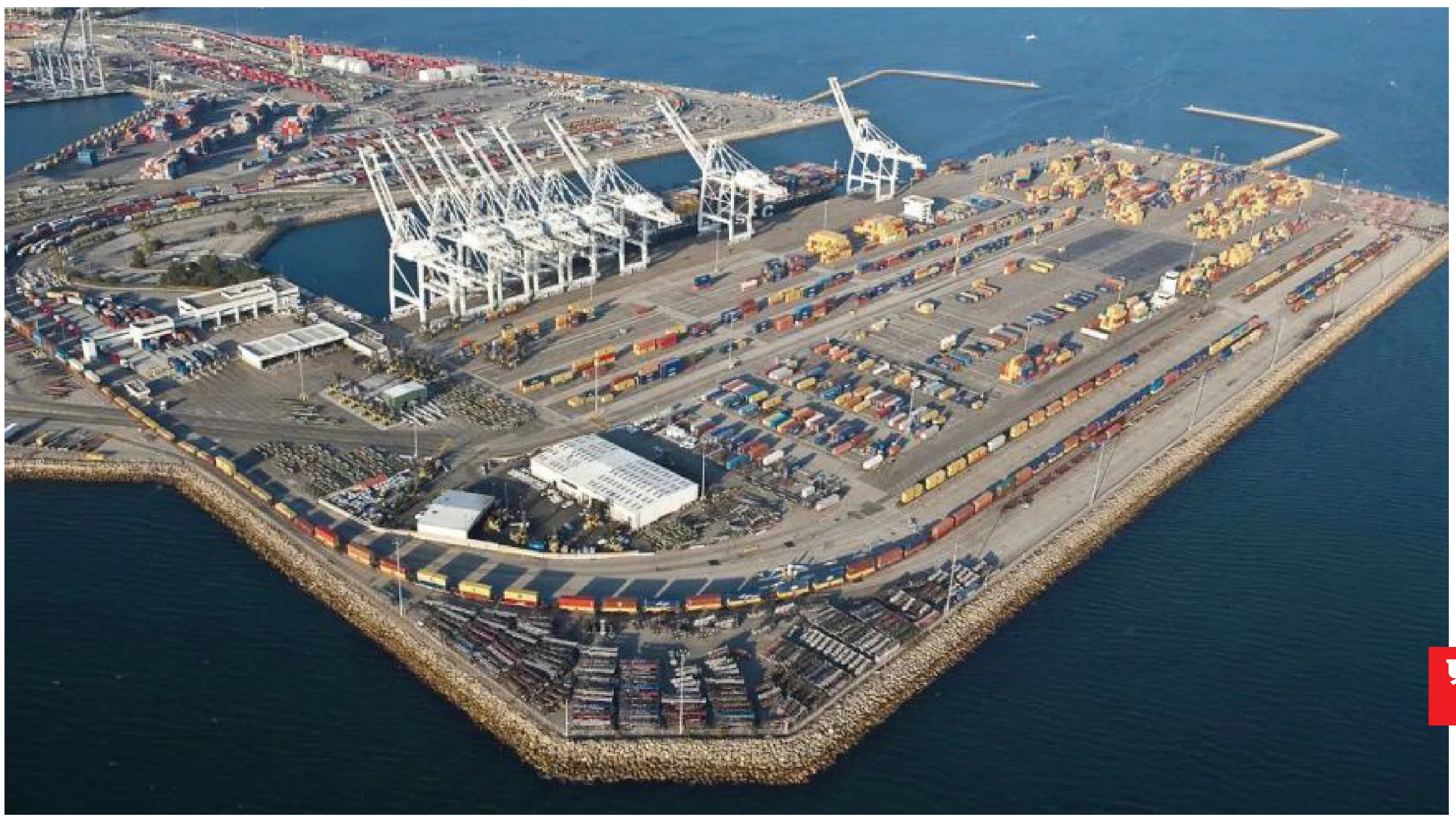

चाबहार इसलिए है जरूरी

चाबहार ओमान की खाड़ी से जुड़ा हुआ है।यह ईरान का पहला डीपवाटर पोर्ट है, जो इस देश को दुनियाभर के समुद्रीय व्यापार से जुड़े रूट से जोड़ता है।यह बंदरगाह पाकिस्तान के साथ ईरान की सीमा के पश्चिम में स्थित है।हालांकि, पाकिस्तान के पास अपना ग्वादर बंदरगाह है जिसे चीन ने तैयार कराया है.

चाबहार भारत और ईरान के बीच महत्वपूर्ण कड़ी है।यह तेहरान को उस समय भी समुद्री व्यापार करने में काम आएगा जब पश्चिम देश किसी तरह की पाबंदी लगाएंगे।यह बंदरगाह भारत के लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि समुद्रीय व्यापार के लिए देश को अब पाकिस्तान को बायपास करना आसान होगा।यह पाकिस्तान को बाईपास करने के लिए नया विकल्प देगा क्योंकि पाकिस्तान अफगानिस्तान और मध्य एशिया में भारत को व्यापार करने के लिए अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं करने देता.

चाबहार अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (आईएनएसटीसी) का भी हिस्सा है, जो एक मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्टेशनल प्रोजेक्ट है।यह प्रोजेक्ट हिंद महासागर और फारस की खाड़ी को ईरान के माध्यम से कैस्पियन सागर और रूस में सेंट पीटर्सबर्ग के माध्यम से उत्तरी यूरोप तक जोड़ता है।माल ढुलाई के लिए जहाज, रेल और सड़क मार्ग का यह 7,200 किलोमीटर लंबा नेटवर्क है।इसमें चाबहार अहम हिस्सा है।इसलिए भी यह पोर्ट भारत के लिए काफी खास है.इससे सीधेतौर पर भारत के लिए समुद्रीय व्यापार के रास्ते खुलेंगे।अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे मेंभारत, ईरान, अफगानिस्तान, आर्मेनिया, अजरबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप शामिल हैं.

भारत, ईरान और उज्बेकिस्तान के बीच बीच व्यापार, आवाजाही और रीजनल कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए चाबहार पोर्ट के संयुक्त रूप से इस्तेमाल करने पर रजामंदी पहले ही बन चुकी है।तीनों देशों ने कोविड-19 महामारी के दौरान मानवीय मदद के लिए भी बंदरगाह का इस्तेमाल किया था.

भारत से कनेक्शन

इस बंदरगाह के विकास में भारत की भागीदारी 2002 में शुरू हुई जब राष्ट्रपति सैयद मोहम्मद खातमी के तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हसन रूहानी ने उस दौर के भारत के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर ब्रजेश मिश्रा के साथ चर्चा की थी।इसके एक साल बाद खातमी की भारत यात्रा पर तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने रणनीतिक सहयोग के रोडमैप पर हस्ताक्षर किए, जिनमें से एक प्रमुख परियोजना चाबहार थी.

चीन द्वारा बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत पाकिस्तान में ग्वादर बंदरगाह को विकसित करने के बाद चाबहार परियोजना भारत के लिए और भी महत्वपूर्ण हो गई.

वोटर आईडी नहीं है कैसे मतदान करूं, लिस्ट में कैसे देखूं नाम, वोटिंग से पहले जान लीजिए जवाब

लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण की वोटिंग 19 अप्रैल को होगी।इसमें 21 राज्यों की 102 सीटों का फैसला आम जनता वोट करके करेगी।इस बीच चुनाव आयोग भी 'टर्निंग 18' जैसे अभियान चलाकर योग्य और फर्स्ट टाइम वोर्टस को लोकतंत्र के उत्सव में भाग लेने के लिए प्रेरित कर रहा है।आइए जानते हैं कि वोट करने के लिए कौन-कौन से डॉक्युमेंट जरूरी होते हैं, वोटर लिस्ट में अपना नाम कैसे चेक करें, क्या बिना वोटर आईडी के मतदान किया जा सकता है?

वोट देने के लिए मतदाता के पास वोटर आईडी (Voter ID Card) होना चाहिए।वोटर आईडी, जिसे इलेक्टोरल फोटो आइडेंटिटी कार्ड (EPIC) भी कहा जाता है, एक फोटो पहचान पत्र है।इसे भारत के चुनाव आयोग द्वारा उन सभी लोगों को जारी किया जाता है, जो मतदान करने के योग्य हैं।यह कार्ड वोटिंग करने की अनुमति देने के साथ-साथ एक पहचान पत्र के तौर पर भी काम करता है।लेकिन क्या होगा अगर कोई मतदान केंद्र पर अपना वोटर आईडी कार्ड ले जाना भूल जाए?

वोटर लिस्ट में नाम कैसे चेक करें?

किसी शख्स को अगर भारत के चुनावों में वोट करना है तो उसे कुछ मानदंडो को पूरा करना होता है।वोट करने के लिए जरूरी है कि शख्स भारतीय नागरिक हो, निर्वाचन क्षेत्र का सामान्य निवासी हो और उसकी उम्र 18 साल या उससे बढ़ी हो।इसके साथ-साथ यह भी जरूरी है कि शख्स का नाम वोटर लिस्ट (इलेक्टोरल लिस्ट) में हो.

आपका नाम वोटर लिस्ट में है या नहीं ये जानने के लिए आपको https://electoralsearch.in/ पर जाना होगा।अगर आपका नाम सूची में नहीं है तो आपको फॉर्म 6 भरना होगा।अगर आप पहली बार वोट करने के लिए रजिस्टर कर रहे हैं तो भी फॉर्म 6 भरकर अपने निर्वाचन क्षेत्र के इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर को जमा करना होगा।ये सब करने के बाद आपका नाम मतदाता सूची में बतौर वोटर दर्ज हो जाएगा और आपके पास वोटर आईडी कार्ड आ जाएगा।हर वोटर को एक EPIC नंबर भी मिलता है.

क्या बिना वोटर आईडी के कोई व्यक्ति वोट कर सकता है?

मतदान केंद्र पर जाकर वोट डालने से पहले वोटर आईडी कार्ड दिखाना होता है।इस कार्ड का इस्तेमाल नगरपालिका, राज्य और राष्ट्रीय चुनाव में वोट करते वक्त इस्तेमाल होता है।वोटर आईडी कार्ड के जरिए वोटर्स की पहचान का सत्यापन किया जाता है ताकि कोई एक शख्स दूसरे व्यक्ति का मतदान न कर पाए।लेकिन क्या होगा कि अगर चुनाव के समय वोटर आईडी कार्ड खो जाए या कोई व्यक्ति वोटर मतदान केंद्र पर आईडी कार्ड ले जाना भूल जाए? क्या तब भी वोट दिया जा सकता है?

चुनाव आयोग के मुताबिक, अगर कोई मतदान केंद्र पर वोटर आईडी कार्ड ले जाना भूल गया है, तब भी वो चुनाव में हिस्सा ले सकता है।नियमों के अनुसार, मतदान केंद्र पर वोटर आईडी के अलावा और भी ऐसे दस्तावेज हैं जिनको दिखाकर वोट करने की अनुमति मिल जाती है।ये दस्तावेज हैं-

आधार कार्ड
पैन कार्ड
पासपोर्ट
ड्राइविंग लाइसेंस
बैंक-पोस्ट ऑफिस से जारी फोटोयुक्त पासबुक
एनपीआर के जरिए RGI का जारी स्मार्ट कार्ड
मनरेगा जॉब कार्ड
केंद्र सरकार की योजना के तहत जारी हेल्थ इंश्योरेंस स्मार्ट कार्ड,
सर्विस आई कार्ड
फोटो के साथ पेंशन डॉक्यूमेंट
एमपी-एमएलए और एमएलसी के लिए जारी आधिकारिक आई कार्ड

इसमें ध्यान देने वाली बात ये है कि अगर आपके पास वोटर आईडी कार्ड, आधार कार्ड या कोई भी वाजिब पहचान पत्र है लेकिन आपका नाम वोटर लिस्ट में नहीं है, तो आप वोट नहीं दे सकते हैं।वोटर लिस्ट में नाम चेक करने के लिए आप चुनाव आयोग की एसएमएस सर्विस का इस्तेमाल कर सकते हैं।इसमें आपको ' ECI (अपना EPIC नंबर)' लिखकर 1950 नंबर पर एसएमएस भेजना होता है.

गले में दर्द के साथ है हल्का बुखार? ये हो सकती है डिप्थीरिया बीमारी, न करें नजरअंदाज

बदलते मौसम में अगर आपके गले में दर्द और खराश की समस्या है तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।ये शरीर में डिप्थीरिया बीमारी का संकेत हो सकता है।बीते कुछ दिनों से अस्पतालों में इस बीमारी के मामले सामने आ रहे हैं।डॉक्टरों के मुताबिक, डिप्थीरिया बीमारी को गलघोटू भी कहा जाता हैं।गले में दर्द और खराश के साथ इस बीमारी में हल्का बुखार भी होता है।इसके अलावा अन्य लक्षणों की बात करें तो डिप्थीरिया के मरीज को सांस लेने में परेशानी, गर्दन में सूजन और लगातार खांसी आने की समस्या हो सकती हैं।गंभीर मामलों में इस बीमारी की वजह से स्किन का रंग नीला पड़ सकता है।ऐसे में इसको हल्के में नहीं लेना चाहिए.

आइए डॉक्टर से जानते हैं कि डिप्थीरिया क्यों होता है और इससे बचाव कैसे किया जा सकता है।दिल्ली में वरिष्ठ फिजिशियन डॉ अजय कुमार बताते हैं कि डिप्थीरिया की बीमारी एक बैक्टीरिया की वजह से होती है।यह बैक्टीरिया हवा में मौजूद होते हैं।हवा के जरिए शरीर में जाते हैं औरगले में इंफेक्शन करते हैं।इस इंफेक्शन की वजह से सांस की नली में झिल्ली बन जाती है।इससे मरीज सांस लेने में परेशानी होती है।कुछ समय के बाद झिल्ली से इंफेक्शन खून के रास्ते हार्ट और ब्रेन में चला जाता है।ये इंफेक्शन हार्ट और ब्रेन को डैमेज कर सकता है।ऐसे में जरूरी है कि गले में दर्द और बुखार को हल्के में न लें.

कैसे फैलता है डिप्थीरिया

डिप्थीरिया एक गंभीर बीमारी है।ऐसे में यह जानना जरूरी हैं की ये बीमारी कैसे फैलती है और इसका इलाज क्या है।डॉ अजय कुमार बताते हैं कि डिप्थीरिया एक संक्रामक बीमारी है जो एक से दूसरे व्यक्ति में आसानी से फैल सकता है।डिप्थीरिया की बीमारी मरीज़ के खांसने और छींकने के दौरान फैलती है।हालांकि इस बीमारी का इलाज मौजूद है और इसके लिए वैक्सीन भी है.

किनको ज्यादा खतरा?

डॉ अजय कुमार बताते हैं कि डिप्थीरिया के ज्यादा मामले बच्चों में सामने आते हैं।कमजोर इम्यूनिटी वाले बच्चों में इस बीमारी का रिस्क अधिक होता है।डिप्थीरिया के ट्रीटमेंट के लिए शिशु और बच्चों को इसकी वैक्सीन बचपन में ही लगवा देनी चाहिए.

डिप्थीरिया से बचाव कैसे करें

संक्रमित व्यक्ति से दूर रहें
भीड़ वाली जगह से दूर रहें
इम्यूनिटी बूस्ट करने के लिए हरी सब्जियां खाएं
ठंडी जगहों के संपर्क में न आए
शिशु, बच्चों और संक्रमित लोगों को टीका ज़रूर लगाएं

'भूल भुलैया 3' से नाम जुड़ते ही माधुरी दीक्षित ने बिखेरा जलवा, लोग बोले, 'मोहिनी'

मुंबई. बॉलीवुड स्टार माधुरी दीक्षित अपनी खूबसूरती को लेकर आज भी दर्शकों का दिल जीत लेती हैं। 'धक धक' गर्ल माधुरी दीक्षित के चाहने वालों की कमी आज भी नहीं हैं। यही वजह है कि उन्हें इंस्टाग्राम पर भी 39 मिलियन लोग फॉलो करते हैं। फिल्मों में कम ही नजर आने वाली अदाकारा माधुरी दीक्षित को लेकर हाल ही में एक दिलचस्प जानकारी सामने आई है। खबर है कि फिल्म स्टार माधुरी दीक्षित जल्दी ही कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी स्टारर मूवी 'भूल भुलैया 3' में नजर आ सकती हैं।

जिसके बाद एंटरटेनमेंट न्यूज की दुनिया में ये खबर आग की तरह फैली। इस रिपोर्ट के वायरल होते ही अदाकारा माधुरी दीक्षित ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। सामने आईं इन तस्वीरों में अदाकारा बेहद खूबसूरत नजर आई हैं। 56 साल की उम्र में अदाकारा माधुरी दीक्षित की खूबसूरती देखते ही बनती है। इन तस्वीरों को शेयर कर अदाकारा ने कैप्शन में लिखा, 'खुशी की सिंपल सी भाषा है- एक असली मुस्कुराहट'। सोशल मीडिया पर सामने आते ही माधुरी दीक्षित की इन तस्वीरों पर लोग जमकर कमेंट्स कर रहे हैं।

एक यूजर ने कमेंट कर लिखा, 'आप सदाबहार खूबसूरती हैं भारत की। जिस पर पूरी दुनिया गर्वित और खुशी से भरपूर है। ब्यूटीफुल।' तो एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा है, 'इतना खूबसूरत दिखने के लिए ये क्या करती हैं।' सामने आईं अदाकारा माधुरी दीक्षित की लेटेस्ट फोटोज।

भूल भुलैया 3 में होगी माधुरी दीक्षित की एंट्री?

बता दें कि अभी हाल ही में खबर सामने आई थी कि अदाकारा माधुरी दीक्षित फिल्म स्टार कार्तिक आर्यन की ब्लॉकबस्टर मूवी भूल भुलैया 2 की अगली सीरीज में नजर आ सकती हैं।

खबर है कि अदाकारा इस फिल्म में विद्या बालन संग ऑन स्क्रीन नजर आएंगी। सामने आ रहीं रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स इस फिल्म के सुपरहिट गाने 'आमी जो तुमार' को एक बार फिर से फिल्माने की कोशिश में हैं। जिसमें माधुरी दीक्षित और विद्या बालन के बीच एक जबरदस्त डांस फेस ऑफ नजर आएगा। इस गाने की प्लानिंग इन दिनों जोरों पर है।

खबर की मानें तो इस डांस फेसऑफ को बेहद विशाल बनाने की प्लानिंग है। जिसमें कार्तिक आर्यन भी परफॉर्म करते दिखेंगे। हालांकि अभी तक मेकर्स ने इसका आधिकारिक ऐलान नहीं किया है।

पकड़े गए सलमान खान के घर पर फायरिंग करने वाले 2 आरोपी, मुंबई से बाहर हुई गिरफ्तारी

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के घर पर हुई फायरिंग मामले में मुंबई पुलिस के हाथ एक बड़ी सफलता लगी है। मुंबई पुलिस ने सुपरस्टार सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग की घटना को अंजाम देने वाले दोनों आरोपियों को धर दबोचा है। मुंबई पुलिस के एक बड़े अधिकारी ने इस बात की जानकारी मीडिया को दी। मिली जानकारी के मुताबिक सलमान खान के घर पर हमला करने वाले दोनों आरोपियों को मुंबई पुलिस ने घटना के 24 घंटे के अंदर गुजरात के भुज से गिरफ्तार कर लिया है। इसमें से एक आरोपी का नाम सागर और एक का विक्की गुप्ता बताया गया है। सागर की उम्र 21 साल जबकि, विकी गुप्ता की उम्र 24 साल बताई गई है।

कोर्ट में होगी दोनों आरोपियों की पेशी

एंटरटेनेंट न्यूज की दुनिया की इस बड़ी खबर पर मिली जानकारी के मुताबिक इन दोनों आरोपियों की पेशी मंगलवार के दिन कोर्ट में होनी है। इससे पहले सोमवार के दिन ही इन दोनों आरोपियों को मुंबई पुलिस ने गुजरात के भुज से धर दबोचा था। जिसके बाद पुलिस इन्हें लेकर मुंबई आई है। जहां दोनों से पूछताछ के बाद कोर्ट में पेश किया जाएगा।

फायरिंग कर गुजरात भागे थे दोनों आरोपी

अभी तक सामने आई जानकारी के मुताबिक सुपरस्टार सलमान खान के घर पर चार राउंड गोलियां चलाने के बाद ये दोनों आरोपी बाइक से भागकर बांद्रा स्थित माउंट मैरी चर्च पहुंचे थे। जहां वो बाइक छोड़कर कुछ दूर पैदल चले। इसके बाद उन्होंने एक ऑटो रिक्शा लिया और इसके बाद वो बोरीवली जाने वाली एक ट्रेन में चढ़ गए। इसके बाद वो सांताक्रूज रेलवे स्टेशन पर ही उतर गए थे। पुलिस ने इन सभी जगहों के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला था। जिसके बाद ये जानकारी हासिल हुई। इसके बाद ये आरोपी भागकर गुजरात पहुंच गए। जहां सर्च ऑपरेशन के जरिए पुलिस ने इन दोनों आरोपियों को पकड़ लिया है।

लॉरेंस बिश्नोई के भाई ने ली है हमले की जिम्मेदारी

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के घर पर फायरिंग की घटना के कुछ देर बाद ही सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हुई थी। जिसमें लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई ने इस घटना की जिम्मेदारी ली थी। बता दें कि सलमान खान को पहले से ही लॉरेंस बिश्नोई की ओर से कई बार जान से मारने की धमकी मिल चुकी है। जिसके बाद सुपरस्टार सलमान खान की सिक्योरिटी काफी टाइट कर दी गई है।

स्वामी, संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक अश्वनी वर्मा- पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार। साई कुंज, नॉर्थ ओक, संजौली, शिमला, हिमाचल प्रदेश- 171006 से प्रकाशित और डीबी कॉर्प लिमिटेड, जीटी रोड, निकट बस स्टैंड सुभानपुर, हमीरा, जिला कपूरथला, पंजाब- 144802 द्वारा मुद्रित।